पटना • रविवार, 16 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः155 | www. bordernewsmirror@gmail.com | 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार... 3 | www. bordernewsmirror.com | कल्कि 2898 एडी से दिशा ... 8

राम सबके हैं, यह देश भी सभी का है

- आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार के बयान पर बोले रामदेव

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेता इंद्रेश कुमार के बयान पर हंगामा मचा हुआ है। आरएसएस ने खुद को इस बयान से किनारा कर लिया है। अब योग गुरु बाबा रामदेव की भी प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने कहा है कि भगवान राम सबके हैं और देश भी सबका है। देश में विभाजन का बीज बोना राष्ट्र की एकता के लिए अच्छा नहीं है। रामदेव ने शुक्रवार को हरिद्वार में एक कार्यक्रम के दौरान कहा,

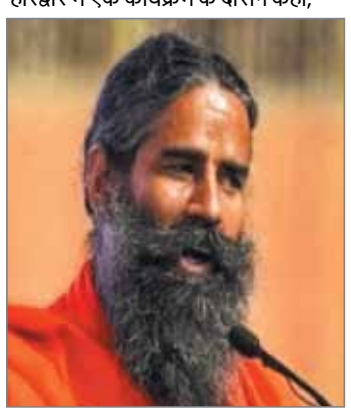

राजनीति में बयानबाजी होती रहती है। भगवान राम सबक हैं। यह राष्ट्र सभी का है। हम सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जाति, संप्रदाय और विचारधाराओं के आधार पर विभाजन पैदा करना राष्ट्रीय एकता के लिए ठीक नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए रामदेव ने कहा, पिछले एक दशक में चुनौतियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से आगे बढ़ाया है। मेरा दृढ़ विश्वास है वह देश को आगे ले जाना जारी रखेंगे। इंद्रेश कुमार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि जो पार्टी राम की पूजा करती थी, वह अहंकारी हो गई, ऐसे में 2024 के चुनाव में वह सबसे बड़ी पार्टी बन तो गयी, लेकिन जो उसे सत्ता (अकेले पूर्ण बहुमत) मिलनी चाहिए थी, उसे भगवान राम ने अहंकार के कारण रोक दिया।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़, 8 नक्सलियों को मार गिराया

- अबूझमाड़ में एक जवान शहीद, 2 घायल, 161 दिन में 141 माओवादी ढेर

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र राज्य की सीमा पर नारायणपुर के अबूझमाड़ के कुतुल इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। एनकाउंटर में जवानों ने 8 माओवादियों को ढेर कर दिया है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। इस मुठभेड़ में सीआरपीएफ का 1 जवान शहीद हो गया है और दो घायल हैं, जिन्हें रायपुर एयर लिफ्ट किया जा रहा है। इस साल जनवरी से अब तक 161 दिन में जवानों ने 141 नक्सली ढेर किए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुतुल, फरसबेड़ा, कोड़तामेटा इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसके बाद बस्तर संभाग के जगदलपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और कांकेर से डीआरजी और कोबरा के करीब 1400 जवानों ऑपरेशन के लिए भेजे गए। पिछले 3 दिनों से डीआरजी, सीआरपीएफ, कोबरा, और एसएसबी जवानों ने ऑपरेशन चलाया था। मौके से बंदूक और भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक मिले हैं। एक दिन पहले भी जवानों की इस संयुक्त टीम के साथ दिनभर रुक-रुककर गोलीबारी हुई थी। सुबह से फिर मुठभेड़ हो रही है। अफसरों का कहना है कि जब जवान लौटेंगे तब और जानकारी मिल पाएगी। सुरक्षाबलों की नक्सलियों संग मुठभेड़ में 8 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

खड़गे बोले-गलती से बन गई है एनडीए की सरकार

भड़क गई जेडीयू, कहा-99 के फेर में फंस गई कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में गठबंधन सरकार गलती से बनी है और वह कभी भी गिर सकती है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनावों में भाजपा को कुल 240 सीटें मिलीं, जो बहुमत के लिए जरूरी 272 के आंकड़े से कम है। हालांकि चुनाव पूर्व तैयार हुए एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला है। केंद्र में अब एनडीए की सरकार भी बन चुकी है। खड़गे ने आगे कहा, एनडीए सरकार गलती से बनी है। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है। यह अल्पमत की सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। हम चाहते हैं कि यह चलती रहे। देश के लिए यह अच्छा हो। हमें देश को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री की आदत है कि वे किसी चीज को चलने नहीं देते। लेकिन हम देश को मजबूत बनाने के लिए सहयोग करेंगे।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में भीषण हादसा, 12 की मौत

अलकनंदा नदी में गिरा 17 यात्रियों से भरा टेंपो ट्रैवलर, तलाश जारी

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में भीषण हादसा हुआ है। यात्रियों से भरी टेंपो ट्रैवलर बद्रीनाथ हाइवे पर गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना के समय वाहन में 16 से 17 यात्रियों के सवार होने की खबर सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटना में 12 लोगों के मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसडीआरएफ की टीम पहुंची। पुलिस और प्रशासन की टीम भी लगातार राहत और बचाव कार्य में लगी हुई है। एसडीआरएफ की ओर से जानकारी दी गई है। घटना में अब तक दो घायलों को निकाला गया है। बचाव दल ने बताया कि रुद्रप्रयाग में बद्रीनाथ हाईवे के पास एक टेम्पो ट्रैवलर गहरी खाई में गिर गया। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम बचाव कार्य कर रही है। अब तक दो घायलों को टीम ने एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया है। मिल रही जानकारी के मुताबिक, रुद्रप्रयाग में बद्रीनाथ हाईवे पर हुए एक्सीडेंट में वाहन अलकनंदा नदी में गिर गया। अलकनंदा नदी के किनारे वाहन क्षतिग्रस्त अवस्था में पाया गया है। इस हादसे को लेकर कई प्रकार की बातें सामने आ रही हैं। दावा किया जा रहा है कि अलकनंदा में गिरने के कारण टेंपो ट्रैवलर से स्थानीय लोगों को भी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा दुर्घटना की क्षति को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। अभी प्रशासनिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुर्घटना भीषण थी। हाईवे से लहराती हुई टेंपो ट्रैवलर गहरी खाई से होते नदी तक पहुंच गई। एसडीआर की ओर से दावा किया गया है कि अब तक दो लोगों को बचा लिया गया है।

उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। अन्य सवारों के बारे में जानकारी हासिल की जा रही है। रुद्रप्रयाग हादसे में अब तक 12 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। वहीं, 12 यात्रियों को रेस्क्यू किया गया है। कई लोगों को हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, अभी भी कुछ लोगों के फंसे होने की बात कही जा रही है। दावा किया जा रहा है कि टेंपो ट्रैवलर में 26 यात्री सवार थे। पहले मिली सूचना के अनुसार, वाहन में 17 यात्री सवार हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, जिला आपदा प्रबंधन, एसडीआरएफ समेत अन्य टीम मौके पर पहुंच कर राहत और बचाव कार्य में जुटी।

शीना बोरा हत्याकांड

नहीं मिल रहीं हड्डियां गायब हो गए अवशेष

- सीबीआई ने कोर्ट को दी जानकारी, 2012 में घोंटा था गला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मीडिया जगत की पूर्व दिग्गज इंद्राणी मुखर्जी की पुत्री शीना बोरा के बरामद किए गए अवशेष कथित तौर पर गायब हो गए हैं। दरअसल, शीना बोरा की 14 साल पहले हत्या कर दी गई थी। शीना बोरा के अवशेष गायब होने के बारे में मुंबई की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अदालत को जानकारी दी गई है। अभियोजन पक्ष ने गवाह डॉ. जेबा खान से पूछताछ के दौरान अदालत को यह जानकारी दी। डॉ. जेबा इस बात की पुष्टि करने वाली पहली व्यक्ति थीं कि हड्डियां और अन्य अवशेष किसी इंसान के थे। हड्डियां रायगढ़ में पेन पुलिस की ओर से उस स्थान से बरामद की गई थीं, जहां शीना के शव को कथित तौर पर जला दिया गया था और गगोडे-खुर्द गांव के पास घने जंगलों में फेंक दिया गया था। शीना बोरा की हत्या उसकी मां इंद्राणी मुखर्जी, उसके पूर्व पति संजीव खन्ना और ड्राइवर श्यामवर राय ने 24 अप्रैल 2012 में गला घोंटकर की थी।

...बाकी कुछ बचा तो महंगाई मार गई

चिकन से महंगी दाल, फल-सब्जी के दामों में भी लगी भीषण आग

लोकसभा चुनाव के बाद आम जनता को मिली यह बड़ी मार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक पर्व यानी चुनाव खत्म हो गया है और अब महंगाई तेजी से बढ़ती जा रही है। रसोई पर भी मंहगाई की मार पड़ रही है। आम आदमी की थाली से दाल और सब्जी गायब होने लगी है। दूध-दही के दामों में पहले ही इजाफा हो चुका है। अब आलू और टमाटर के भाव भी हाई हैं। दाल की कीमतें इस समय सातवें आसमान पर पहुंच गई हैं और आटा-चावल भी मंहगे होते जा रहे हैं। जून के महीने में गर्मी के साथ-साथ महंगाई ने भी लोगों के पसीने छुड़ा दिए हैं। दो जून की रोटी भी आम लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। महंगाई के आंकड़ों के ने सारी पोल खोल कर रख दी है। मई के महीने में

थोक महंगाई दर बढ़कर 15 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मई में थोक महंगाई दर 2.61 फीसदी पर पहुंच गया है। यह अप्रैल के महीने में केवल 1.26 पर्सेंट ही थी। लेकिन मई के महीने में ये बढ़कर 2.61 फीसदी हो गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मई में खाने की चीजें भी 10 महीने के उच्चतम स्तर 9.82 फीसदी पर पहुंच गई।

'मेलोडी टीम...'

सोशल मीडिया ट्रेंड में शामिल हुई इटली पीएम मेलोनी

- पीएम मोदी ने लिखा-भारत-इटली की मित्रता हमेशा कायम रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इटली पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने इस सम्मेलन के तमाम इवेंट में हिस्सा भी लिया। पीएम मोदी के साथ इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने एक वीडियो भी शेयर किया है। पीएम मोदी के साथ लिए गए वीडियो में इटली की पीएम मेलोनी ने कहा - मेलोडी टीम की तरफ से हैलो। इस वीडियो में पीएम मोदी पिछे मुस्कुराते हुए नजर आ रहे थे। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में इटली की पीएम मेलोनी जब भारत आई थी तो उन्होंने पीएम मोदी के साथ एक सेल्फी शेयर करते हुए मेलोडी नाम के हैशटैग ट्रेंड का इस्तेमाल किया था। तब से यह ट्रेंड काफी चर्चा में है। एक

बार फिर इटली की पीएम ने इस ट्रेंड के साथ वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो को एक्स पर दोबारा शेयर करते हुए पीएम मोदी ने लिखा- भारत-इटली की मित्रता हमेशा कायम रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे सहित वैश्विक मंचों तथा बहुपक्षीय प्रस्तावों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। मोदी की दक्षिणी इटली के अपुलिया की एक दिवसीय यात्रा के अंत में शुक्रवार को दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई। इस दौरान मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए इटली की प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। नेताओं ने खुले एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई।

दुनिया में अब 24 घंटे से भी लंबे हो रहे दिन!

धरती के घूमने को लेकर वैज्ञानिकों ने किया बड़ा दावा

कैलीफोर्निया (एजेंसी)। हम सभी जानते हैं कि 24 घंटे में एक बार दिन और एक बार रात होती है। वहीं दिन और रात को मिलाकर हमारा एक दिन पूरा होता है। वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर दिन की अवधि को लेकर बड़ा दावा किया है। एक शोध के मुताबिक धरती के आंतरिक कोर की घूर्णन गति लगातार कम हो रही है। इसका प्रभाव पृथ्वी की घूर्णन गति पर भी पड़ेगा और दिन की लंबाई ज्यादा हो जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रक्रिया 2010 से ही शुरू हो गई है और अब दिन की अवधि पहले से ज्यादा हो गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आंतरिक कोर की घूर्णन में परिवर्तन की वजह से दिन 24 घंटे से भी लंबे हो सकते हैं। बता दें कि पृथ्वी की आंतरिक कोर एक ठोस स्फेयर की तरह है जो कि लोहे और निकेल से बनी है। वहीं इसके चारों ओर पिघली हुई धातुओं बेहद गर्म और तरल अवस्था में मौजूद हैं। पृथ्वी की तीन लेयर

में मैंटल और क्रस्ट शामिल हैं। वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आंतरिक कोर के बारे में जानकारी सीस्मिक तरंगों के जरिए मिलती है। भूकंप के वक्त रिकॉर्ड किए गए कंपन से यह अध्ययन किया गया है। कैलीफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के नेचर जर्नल में छपे शोध में बताया गया है कि अगर यही ट्रेंड बरकरार रहता है तो दिन की अवधि बदल जाएगी। इसमें सेकंड के एक हिस्से का फर्क आना शुरू हो जाएगा जो कि लगातार बढ़ता ही रहेगा। शोधकर्ताओं में शामिल प्रोफेसर जॉन विडाले ने कहा, पहले जब मुझे यह पता चला तो मैं खुद अचंभित रह गया लेकिन जब पता चला कि दो दर्जन ऐसे ही सिग्नल और पाए गए हैं तो यकीन हो गया कि इनर कोर में परिवर्तन हो रहा है। कई दशकों बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब इनर कोर के घूर्णन में परिवर्तन पाया गया है। धरती के इनर कोर को लेकर कई तरह की बहस चलती रहती है। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पृथ्वी की घूर्णन गति से ज्यादा तेजी से घूमती है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मैग्नेटिक फील्ड की वजह से इसका घूर्णन धरती के घूर्णन से कम होता है। हालांकि इस बात से कोई इनकार नहीं करता कि इनर कोर से बैकट्रैकिंग होती है और इसका असर धरती की घूर्णन गति पर पड़ता है। 40 साल में पहली बार पाया गया है कि इनर कोर की घूर्णन गति मैंटल से कम है।

लोकसभा में कमजोर हुई भाजपा लेकिन राज्यसभा में बढ़ेगी ताकत

10 सीटों पर क्लीन स्वीप करेगा एनडीए, आंध्र-ओड़िशा ने किया खेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को भले ही फायदा नहीं हुआ हो, लेकिन अब जो राज्यसभा के उपचुनाव होने वाले है उनमें बड़े फायदे के आसार बन रहे हैं। सासदों के चुनाव जीतने के कारण राज्यसभा की 10 सीटें खाली हो गई हैं। अब इन सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं, जिनमें एनडीए को भारी सफलता मिलने की उम्मीद है। ये सभी 10 की 10 सीटें एनडीए के हिस्से में जाने की संभावना है, क्योंकि इन राज्यों में एनडीए की सरकारें हैं। एक और सीट का उपचुनाव महाराष्ट्र में भी होना है। वह भी एनडीए के हिस्से में ही जाएगी। लोकसभा चुनाव जीतने वाले राज्यसभा के 10 में से सात सांसद भाजपा के हैं। इनमें महाराष्ट्र के उदयन राजे भोंसले और पीयूष गोयल, त्रिपुरा में विप्लव देव, मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया, बिहार में विवेक ठाकुर, असम में कामाख्या प्रसाद ताशा और सर्वानंद सोनवाल शामिल हैं। भाजपा एक बार फिर इन सभी सीटों को अपने पास ही रखेगी और उसकी जीत भी लगभग तय है। इसके अलावा राजस्थान की कांग्रेस की केसी वेणुगोपाल की सीट भी भाजपा के पास जाएगी। बिहार में राजद की मीसा भारती की सीट भी अब एनडीए के हिस्से में जाएगी।

बदलेगा लोन देने का नियम, 15 दिनों में खाते में होगी राशि; वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने बैंकों को दिए निर्देश

पटना, एजेंसी। आम लोगों को बैंकों से लोन लेने में अब सहूलियत होगी। बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने बैंक प्रबंधन को बिहार के बैंकों में सिंगल विंडो के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। साथ ही, ऋण के भुगतान को लेकर समय सीमा भी निर्धारित करने को कहा है। बैंक तय करें कि 15 दिनों में ऋण उपलब्ध करा दिया जाए, जिससे जरूरतमंदों को परेशानी न हो। उन्होंने बैंकों को ऋण देने की प्रक्रिया को सरल बनाने का निर्देश दिया। श्री चौधरी स्थानीय होटल में आयोजित राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की 88वीं एवं 89वीं (संयुक्त) बैठक को संबोधित के दौरान बैंकों से आम जनों को सहुलियत देने की अपील की।

उपमुख्यमंत्री ने बैंकों को साख-जमा अनुपात 58.71 में वृद्धि का निर्देश दिया। कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बिहार के बैंकों में जमा राशि की तुलना में ऋण उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने बड़े बैंकों से आग्रह किया कि वे सीडी रेसियो बढ़ाने में अधिक योगदान दें। उन्होंने कहा कि राज्य में बैंकों का एनपीए 11.5 फीसदी से घटकर 7.54 फीसदी हो गया है। यह अच्छा संकेत है। उन्होंने बिहार के काउ बेल्ट वाले राज्य में होने के बाद दूध उत्पादन में गुजरात से पीछे

रहने पर नाराजगी जतायी। साथ ही, मछली उत्पादन में अग्रणी राज्यों में शामिल होने पर जोर दिया। श्री चौधरी ने कहा जिन मुद्दों पर बैठक में विमर्श हुआ है, उसका फलाफल तीन माह बाद होने वाली आगामी बैठक में दिखना चाहिए।

बिहार का विकास कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन, एमएसएमई, उद्योग, रोजगार क्षेत्र के माध्यम से ही होगा। उन्होंने इन क्षेत्रों में पूंजी की उपलब्धता बढ़ाने और रोजगार के नये अवसर पैदा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बैंकों के साथ बिहार सहित देश की सरकार है। उन्हें हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

बैठक में वन, पर्यावरण एवं सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने जिला एवं प्रखंड स्तर पर बैंकों के साथ बैठक किए जाने पर जोर दिया। वहीं, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने स्वरोजगार के लिए 4561 आवेदनों में मात्र 1417 को ही बैंकों द्वारा ऋण उपलब्ध कराने पर नाराजगी जतायी। उन्होंने शेष 2862 प्रशिक्षित आवेदकों को भी ऋण देकर स्वरोजगार शुरू कराने को कहा। वहीं, उन्होंने गरीबों के लिए घर बनाने में भी बैंकों से सहायता मांगी।

पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु कुमारी ने कहा कि बिहार मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है, वह भी बिना बैंकों के विशेष सहयोग के ही। बैंक सहयोग करे तो पशुपालन एवं मत्स्य उत्पादन में बिहार बड़ा निर्यातक हो सकता है। वहीं, स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने बैंकों की कार्यपद्धति पर सख्त नाराजगी जतायी और कहा कि राज्य का सीडीआर 57.5 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर सीडीआर 86.57 प्रतिशत है। प्रतिवर्ष 3 प्रतिशत भी सीडीआर बढ़ता है तो अगले दस साल में हम राष्ट्रीय औसत तक पहुंचेंगे। उन्होंने कृषि क्षेत्र में ऋण उपलब्ध कराने, केसीसी की संख्या बढ़ाने पर बल दिया। बैठक में नगर विकास मंत्री नितिन नवीन ने फुटपाथी वेंडरो को ऋण उपलब्ध कराने और शहरी क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक मदद करने की आवश्यकता जतायी।

बैंक को उद्यमियों के पास जाना होगा

रिजर्व बैंक, बिहार-झारखंड के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविंद ने कहा कि समय आ गया है कि ऋण देने के लिए बैंक को उद्यमियों के पास जाना होगा। उन्होंने राज्य के साख-जमा अनुपात को लेकर चिंता जताई और कहा कि इसे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने प्राथमिक क्षेत्र की तुलना में गैर प्राथमिक क्षेत्र को अधिक लोन देने पर सवाल उठाया और कहा कि बिहार में कृषि क्षेत्र के लिए ऋण सुविधा को लेकर बैंक को गंभीर होना चाहिए। कृषि एवं सहायक क्षेत्रों के विकास से राज्य के आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

संक्षिप्त समाचार

गया के खनिज विकास पदाधिकारी पर गिरी गाज, मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया सस्पेंड

गया , एजेंसी। बिहार के खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने नियमानुकूल कार्य नहीं करने, स्मार-पत्र के बावजूद स्पष्टीकरण नहीं देने पर गया जिला के खनिज विकास पदाधिकारी निधि भारती को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया। साथ ही विभागीय कार्रवाई करने को भी कहा। विजय कुमार सिन्हा नीतीश कुमार की सरकार में डिप्टी सीएम भी हैं। बिहार में खनन माफिया की सक्रियता से अवैध बालू खनन और कारबोर सरकार के सिरदर्द बना हुआ है। कई वरीय पदाधिकारियों पर पूर्व में गाज गिर चुकी है। फिर भी बालू के अवैध कारोबार पर सरकार कंट्रोल नहीं कर पा रही है। मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि विभागीय कर्मियों की मनमानी, स्वेच्छाचारिता, अनुशासनहीनता और भ्रष्ट आचरण के कारण अवैध बालू खनन एवं परिवहन को बढ़ावा मिल रहा है। गया जिला के बंदोबस्त बालूघाट संख्या-39 के मामले में निलंबित अधिकारी ने अनियमितता बरती थी। विभाग द्वारा पत्र एवं स्मार पत्र के वाबजूद उनके द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित नहीं किया गया। विभाग के उच्चाधिकारी द्वारा उक्त बालूघाट एवं एक अन्य बालूघाट का निरीक्षण करने पर विभिन्न मानकों पर अनियमितता की रिपोर्ट की गयी थी। ऐसी घटनाएं राज्य में रिपिट हो रही हैं। इसी वजह से यह ऐक्शन लेना पड़ा है। मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में सुगमतापूर्ण एवं ईमानदारी से खनन कार्य के लिए बने नियम नहीं मानने वाले अफसरों पर कठोर कार्रवाई होगी। बंदोबस्तधारियों, परिवहन करने वाले एजेंसियों एवं विभागीय पदाधिकारियों, जिला समाहर्ता, एसपी, अनुमंडलाधिकारी सहित सभी थानाध्यक्षों का दायित्व है कि वे उक्त नियम का पालन कर पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करें। सही लोगों को सहयोग और गलत लोगों को दंडित कर अवैध खनन एवं परिवहन को रोकना विभाग का लक्ष्य है। खनन विभाग अपने कार्यों में तत्परता से कर्तव्य का निर्वहन नहीं करता है तो कार्रवाई निश्चित है।

पुरीख में अतिक्रमण पर चलाया गया बुलडोजर

सहरसा, एजेंसी। भारत माला योजना के तहत सहरसा-सुपौल मुख्य मार्ग में पुरीख के पास प्रशासन ने जेसीबी मशीन से सड़क बनने के लिये किये गये जमीन अधिग्रहण को खाली कराया। एसडीओ प्रदीप कुमार झा के नेतृत्व में काफी संख्या में पुलिस बल पुरीख में जमीन अधिग्रहण को खाली कराने पहुंची। सीओ श्वेता सिंह एवं बिहरा थानाध्यक्ष रौशन कुमार द्वारा बार-बार जमीन खाली करने के लिये भूस्वामी को कहा जा रहा था लेकिन भूस्वामी जमीन अधिग्रहण वाले जगह को खाली नहीं कर रहे थे जिसके कारण सड़क निर्माण का कार्य बाधित हो रहा था। सीओ एवं थानाध्यक्ष ने बताया कि 13 जून तक जमीन को खाली करने के लिये घर -घर जाकर और मैकिंग कर जानकारी दी गई लेकिन भूस्वामी अधिग्रहण वाले जमीन को नहीं खाली किये जिसके बाद 14 जून से प्रशासन ने जेसीबी मशीन से जमीन को खाली कराना शुरू किया। प्रशासन द्वारा जमीन खाली कराने के दौरान पूर्व मुखिया जयशंकर सिंह पप्पू एवं बैजनाथ मुखिया सहित कुछ अन्य लोगों द्वारा एसडीओ के समझ शिकायत की गई कि भू अर्जन कार्यालय द्वारा मनमानी की गई है और बासडीह के जमीन को कृषि योग्य जमीन कर भूस्वामी को राशि भेज दी गई है और शिकायत के बाद भी सुधार नहीं किया गया है जिस कारण भूस्वामी जमीन को अबतक खाली नहीं कर पाया। प्रशासन द्वारा जेसीबी मशीन से किये गये तोड़फोड़ के दौरान सामान की हुई क्षति पर भी कुछ लोगों द्वारा आपत्ति जताई गई। प्रशासन का स्पष्ट कहना था कि बार-बार आग्रह किये जाने के बाद भी खाली नहीं किये जाने के बाद विवश होकर जेसीबी मशीन से अधिग्रहण वाले जमीन को खाली कराया जा रहा है। प्रशासन के द्वारा जमीन खाली किये जाने की प्रक्रिया को देख कुछ लोग खुद अपना सामान हटाने लगे। मालूम हो कि भारत माला योजना के तहत सहरसा-सुपौल रोड में सरकार द्वारा जमीन अधिग्रहण किया गया था।

एक सप्ताह से जला ट्रांसफार्मर अब तक नहीं बदला:एक सौ से अधिक उपभोक्ता परेशान

अधिकारियों से कई बार की जा चुकी शिकायत

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के अमौर नगर पंचायत के वार्ड नं-4 में पिछले सप्ताह भर से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रांसफार्मर जलने के छह दिन बीत गए हैं, मगर अब तक नया ट्रांसफार्मर न लगने से लोगों का गर्मी से जीना मुहाल है। ग्रामीणों की दिक्कतें रात में दुगुनी हो जा रही हैं। ट्रांसफार्मर जल जाने से एक सौ से अधिक उपभोक्ता न सिर्फ गर्मी से परेशान हैं बल्कि रातें भी बमुश्किल कट रही हैं। शहरी इलाके में 24 घंटे तो ग्रामीण क्षेत्र में 72 घंटे में जले ट्रांसफॉर्मरों को बदलने का दावा भले ही बिजली विभाग करता हो, मगर धरातल पर हकीकत कुछ और ही है। इसका खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। पिछले छह दिनों से बिजली संकट का सामना कर रहे हैं।

कई बार शिकायत की जा चुकी है : अमौर नगर पंचायत के वार्ड-4 बघवाकोला में उपभोक्ता मानिक चौहान, पवन, सागर, रवि, मुकेश, विजय सहित दर्जनों ने बताया कि अमौर नगर पंचायत के वार्ड नंबर चार में आठ जून को ट्रांसफार्मर जल गया था, लेकिन इस ओर बिजली विभाग का अब तक कोई ध्यान नहीं गया। इसे लेकर बिजली विभाग के कर्मियों से लेकर अधिकारियों को कई बार शिकायत की जा चुकी है।

दो से तीन दिन में ट्रांसफार्मर बदलने को कहा गया था : सूचना के बाद ट्रांसफार्मर बदलने की बात तो दूर जांच करने भी बिजली विभाग के कर्मी नही पहुंचे हैं। 6 दिनों से सभी उपभोक्ता गर्मी में परेशान और अंधेरे में रहने को विवश हैं। लोगों का कहना है कि सूचना पर बिजली विभाग के कनीय अभियंता ने आश्वासन दिया था कि दो से तीन दिन में ट्रांसफार्मर बदल दिया जाएगा, लेकिन अबतक स्थिति जस की तस है। बिन बिजली गांव में पेयजल का संकट बना हुआ है। गर्मी के कारण रात जागकर काटनी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हम सभी हर महीने बिजली बिल देते आ रहे हैं। छह दिन बीत गए लेकिन अबतक ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा सका है। वहीं मामले को लेकर विद्युत विभाग के कनीय अभियंता विशाल कुमार ने बताया कि शुक्रवार तक ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा।

अब पीक आवर में बत्ती नहीं होगी गुल? नेपाल से 209 मेगावाट पनबिजली खरीदेगा बिहार

3 साल का करार

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने गैर परंपरागत बिजली का कोटा पूरा करने के लिए नेपाल से पनबिजली की खरीदारी करने का निर्णय लिया है। इसके लिए बिजली कंपनी ने बिहार विद्युत विनियामक आयोग में याचिका दायर की थी। आयोग ने इस पर मुहर लगा दी है। इसके साथ ही नेपाल से अगले तीन या पांच वर्षों तक 209 मेगावाट पनबिजली खरीद का रास्ता साफ हो गया है। याचिका में कहा गया था कि बिजली कंपनी ने राज्य की जरूरतों का आकलन करते हुए कई उत्पादकों से करार कर रखा है। लेकिन थर्मल परियोजनाओं के आने में देर होने की उम्मीद है। ऐसे में पीक आवर में बिजली आपूर्ति करने में परेशानी हो सकती है। चूंकि, नेपाल ने बिहार को बिजली देने का ऑफर दे रखा था। इसी के आलोक में कंपनी ने नेपाल से बिजली खरीदने के लिए विनियामक आयोग से मंजूरी मांगी।

पीक आवर में होगी सुविधा

राज्य में अभी बिजली की आपूर्ति हर रोज 75 सौ मेगावाट से अधिक हो रही है। कभी-कभार केंद्रीय सेक्टर से कम बिजली मिलने के कारण कंपनी को खुले बाजार से बिजली लेनी पड़ती है। बाजार में बिजली की उपलब्धता कम होने पर कंपनी को न चाहते हुए भी लोड शेडिंग करनी पड़ती है। नेपाल से चौबीसों घंटे 209 मेगावाट बिजली मिलने से पीक आवर में सुविधा होगी। खुले बाजार पर कंपनी की निर्भरता कम होगी। साथ ही गैर परम्परागत बिजली जो कुल आपूर्ति का 17 फीसदी होती है, वह कोटा भी पूरी होगा। इस कोटा के पूरा होने से कंपनी को जुर्माना नहीं देना होगा जो करोड़ों रुपए होते हैं। इस तरह कंपनी को पैसे की भी बचत होगी।

15 जून से 31 अक्टूबर तक होगी खरीद

कंपनी की याचिका पर आयोग ने सुनवाई की। कंपनी और बिजली देने वाली एजेंसी पीटीसी इंडिया लिमिटेड के पक्ष को सुना। सभी पहलुओं पर गौर करते हुए आयोग ने कंपनी की याचिका को मंजूर कर दिया। इसके तहत कंपनी 15 जून से 31 अक्टूबर तक 209 मेगावाट पनबिजली की खरीदारी करेगी। खरीद करने की मंजूरी तीन वर्षों के लिए दी गई है जिसे पांच वर्षों तक विस्तारित किया जा सकता है। बिजली खरीद की दर 5.45 रुपए प्रति यूनिट होगी। आयोग की मंजूरी के बाद अब केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण से मंजूरी लेने की प्रक्रिया चल रही है। विदेश मंत्रालय की मंजूरी के बाद ही नेपाल से बिजली खरीदारी की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होगी।

जमीन के कागजात हासिल करने में नहीं होगी परेशानी; नीतीश कैबिनेट का फैसला

पटना, एजेंसी। बिहार में अब आम लोगों को राजस्व दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर होने के बाद दो दिनों के अंदर यह दस्तावेज उन्हें मिल जाएगा। राज्य मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में शुक्रवार को इस योजना को मंजूरी दे दी। बैठक में 25 प्रस्तावों पर अपनी सहमति दी गयी। इससे राज्य के करोड़ों लोगों को अपनी जमीनों के कागजात हासिल करने में सहूलियत होगी।

बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा राजस्व दस्तावेज यथा राजस्व प्रशासन से जुड़े सभी पुराने न्यायिक आदेश, नक्शा, भू-अभिलेख न अन्य दस्तावेजों को स्कैन कर डिजिटल पटल पर संरक्षित किया जा रहा है। आवेदन करने पर संबंधित नागरिकों को पुराने परंपरागत तरीके के साथ-साथ नये तरीके अर्थात ऑनलाइन भी उपलब्ध कराया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि किसी भी प्रतिलिपि के लिए स्टांप शुल्क अभिलेखों के पृष्ठों के आधार पर निर्धारित होगा। यह राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा कार्यकारी आदेश के तहत तय होगा। इसका भुगतान भी विभाग द्वारा विकसित ऑनलाइन प्रकिया के माध्यम से किया जाएगा। डॉ. सिद्धार्थ के अनुसार डाटा सेंटर द्वारा निर्धारित शुल्क के साथ पंजीकृत आवेदन प्राप्त होने पर उसे संबंधित अधिकारी के पास भेजा जाएगा। वहां से अधिकारी डिजिटल हस्ताक्षर अंकित प्रति प्राप्त होने पर आवेदक को दो दिनों में उपलब्ध करा दिया जाएगा। साथ ही कम्प्यूटर पर संधारित प्रेषण पंजी में आवेदन संख्या, आवेदक का नाम व प्रेषण की तिथि अंकित कर दी जाएगी।

4-4 कारखाना निरीक्षक व उपनिरीक्षकों का पद सृजित

श्रम संसाधन विभाग अंतर्गत बिहार श्रम सेवा तकनीकी के कारखाना निरीक्षक संवर्ग की विभिन्न कोटियों की पूर्व से सृजित पदों के अतिरिक्त कारखाना निरीक्षक के चार पद और उप मुख्य कारखाना निरीक्षक के चार पद सृजन को स्वीकृति दी गई। दरअसल, भारत सरकार के निर्देश के तहत 150 कारखानों पर एक कारखाना निरीक्षक की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। लिहाजा, इन नए पदों की आवश्यकता थी।

15847 पदों पर काम कर रहे सर्वेक्षण कर्मियों को 2025 का अवधि विस्तार

कैबिनेट ने संविदा पर काम कर रहे सर्वेक्षणकर्मियों की सेवा का अवधि विस्तारित कर दिया गया है। दरअसल, बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यक्रम अन्तर्गत राजस्व मानचित्रों तथा खतियान के अद्यतनीकरण के लिये जमीन-सर्वेक्षण किया जा रहा है। उस काम को चालू रखते हुए 1 अप्रैल 2024 से 31 दिसम्बर 2025 तक के लिए कुल 15847 पदों (नियमित 1339 एवं विशेष सर्वेक्षण हेतु सृजित एवं पूर्व से सृजित संविदा के 14508) पदों के अवधि विस्तार की मंजूरी दी गई है।

गया को ग्रेटर गया बनाएंगे : मांझी

गया, एजेंसी। मोहनपुर के बादेगढ़ गांव में शुक्रवार की देर शाम केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का अभिनंदन किया गया। इस दौरान उन्हें मुकुट और तलवार भेंट की गई। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद गया लौटे मंत्री जीतन राम मांझी बादेगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में पहुंचे। इलाके के मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि आपके बहुमूल्य वोट के कारण ही आज केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी और मुझे केंद्रीय मंत्री बनाया गया। मतदाताओं के भरोसे को कभी न टूटने देने की बातें कहते हुए कहा कि गया को ग्रेटर गया बनाया जाएगा। गया के ऐतिहासिक स्थल विष्णुपद और बोधगया का चतुर्दिक विकास होगा, और इसे देश के चमकते मानचित्र पर लाया जाएगा।

विपक्षी गठबंधन पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान एनडीए के 400 पार नारे का गलत ढंग से दुष्प्रचार किया गया। इस कारण भोले-भाले मतदाता उनके झांसे में आ गए। महागठबंधन के लोगों ने कहा कि एनडीए का अगर 400 सीट आ जाएगी तो संविधान और आरक्षण में बदलाव किया जाएगा। इस बात को महागठबंधन के लोगों ने भोले-भाले मतदाताओं के समक्ष लोक लुभावने वादे की तरह पेश किया। बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र से अपने पुराने संबंध की चर्चा करते हुए कहा कि इस इलाके में विकास के कई अधूरे काम रह गए हैं जिसकी गाथा जल्द ही लिखी जाएगी। इस दौरान एनडीए कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री को मोहनपुर के लाडू गांव के समीप से गुजरी निरंजना नदी पर पुल निर्माण, मोहनपुर-बाराचट्टी सड़क का आरसीडी से निर्माण, बरंडी वियर सिंचाई परियोजना के निर्माण का ज्ञापन दिया। मंत्री ने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि इस दिशा में बहुत जल्द ही सार्थक पहल शुरू की जाएगी ताकि इलाके की एक बड़ी समस्या से लोगों को निजात मिल सके। समारोह को पूर्व सांसद हरि मांझी, विधायक ज्योति देवी, रोमिट कुमार, कमलेश सिंह, अजय शर्मा, शंभूनाथ सिंह, सत्यनारायण सिंह सहित कई लोगों ने संबोधित किया।

गया में नक्सली वारदात; हथियारबंद दस्ते घर में सोए युवक की गोली मार कर दी हत्या

माओवादी जिंदाबाद के लगाए नारे

गया , एजेंसी। बिहार के गया में गुरुवार की मध्यरात्रि हथियारबंद दस्ते ने घर में सोए हीरा यादव (40 वर्ष) को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना कोंच थाना क्षेत्र के कमल बिगहा गांव की है। इस घटना के बाद हथियार बंद दस्ते ने माओवादी जिंदाबाद, इंकलाब जिंदाबाद का नारा लगाया और आराम से निकल गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि जितेन्द्र यादव उर्फ हीरा यादव अपने दलान में सोए हुए थे। हालांकि पुलिस इस घटना के नक्सली वारदात होने से इनकार कर रही है। मृत हीरा यादव का नक्सलियों से संबंध रहा है। एनआईए ने उसके घर की तलाशी ली थी। जानकारी के मुताबिक हीरा यादव अपने दालन पर सोया हुआ था जिसका गेट खुला हुआ था। हथियार बंद दस्ते ने उसकी कनपटी और पेट में दो गोली दी। इस बीच पड़ोस में रही एक महिला की नजर हथियारबंद लोगों पर पड़ गयी। उसने जैसे ही चोर-चोर किया, छह से आठ की संख्या में हथियार से लैस रहे हमलवार इंकलाब जिंदाबाद नारे लगाए और हवाई फायरिंग कर दशहत मचा दिया। घटना को अंजाम देने के बाद हमलवार ने गांव से उत्तर की दिशा में आराम से निकल गये। इसके बाद ग्रामीण जबतक स्थल पर पहुंचे तो खून से लथपथ हीरा की मौत हो चुकी थी।

हीरा का नक्सली से रह चुका था नाता

मारे गए हीरा यादव का नक्सलियों से नाता रहा चुका था।

वह हार्डकोर कमिटी के सदस्य भी रह चुका था। मारे गये जोनल कमांडर चंदन यादव का एक वक्त वह दाहिना हाथ माना जाता था। अभी वह सामान्य जीवन यापन कर रहा था। इसकी एक बेटी व तीन बेटा है। वह घर का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

यह नक्सली घटना नहीं

धनंजय कुमार सिंह,थानाध्यक्ष कोंच ने दावा किया है कि यह नक्सली घटना नहीं है। लेकिन पूर्व में नक्सली संगठन से जुड़े लोग द्वारा भूमि विवाद में हत्या की बात सामने आ रही है। अज्ञात लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गयी है। ऐसे अन्य बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

क्या कहते हैं वरीय अधिकारी?

इस हत्या की घटना की विभिन्न बिंदुओं पर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। जिस कमरे में हत्या हुयी है,उसे कमरे को अभी बंद कर दिया गया है। शनिवार को फॉरेसिक टीम पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से घटनास्थल की जांच करेगी। जांच के बाद ही हत्या का कारण स्पष्ट हो पाएगा। -सुशांत कुमार चंचल,एसडीपीओ-टिकारी

एनआईए की टीम ने भी ली थी हीरा के घर की तलाशी

डेढ़ वर्ष पूर्व एनआईए की टीम ने हीरा यादव का नक्सलियों से सांठगांठ के आरोप में इसके घर छापा मार चुकी है। लगभग चार घंटे तक इसके घर में रूककर गहन तलाशी ली थी। एनआईए की टीम ने कुछ दस्तावेज लेकर अपने साथ गये थे। हालांकि, टीम को हीरा यादव घर पर नहीं मिले थे।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार से जुड़े खिलाड़ियों को भी अब मिलेगा सम्मान निधि का लाभ: मंत्री

- कहा, सूबे की सरकार में खिलाड़ियों के साथ होगा अब न्याय
- केंद्र की मोदी सरकार में तेजी से हो रहा खेल का विकास
- खेल भवन में दो दिवसीय स्टेट चैंपियनशिप शुरू

बीएनएम। मोतिहारी

सूबे के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल का विकास होगा। इसको लेकर विभाग ने खाका तैयार कर लिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत है सिर्फ उन्हें निखारने की। वह दिन अब चले गए, जब कहा जाता था पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब... खेलोगे धूपोगे होगे खराब। अब सरकार ने खेलों में भी अव्वल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए रोजगार के दरवाजे खोल दिए हैं। वह शनिवार को खेल भवन में ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार की ओर से आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने शारीरिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से ताइक्वांडो खेल को महत्वपूर्ण बताया। कहा कि ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार से जुड़े खिलाड़ियों को भी सम्मान निधि का लाभ दिया जाएगा। खेल मंत्री की इस घोषणा के बाद खेल भवन पदाधिकारी व खिलाड़ियों की तालियों से गूंज उठा। केंद्र की मोदी सरकार में खेल का तेजी से विकास हो रहा। खेल संबंधित कई योजनाओं पर धरातल पर उतारने का कार्य प्रगति पर है। जिप अध्यक्ष ममता राय ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और साकारात्मक रहकर अपना स्वाभाविक खेल खेलने की अपील की। इससे पहले खेल मंत्री, जिप अध्यक्ष ममता राय, समाजसेवी गप्पू राय, वीर कुंवर सिंह महा विद्यालय, आरा के प्राध्यापक प्रो. डॉ. राजीव कुमार, ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार के अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

700 से अधिक खिलाड़ी दिखाएंगे दम- चैंपियनशिप में 700 से अधिक खिलाड़ी दम दिखाएंगे। पहले दिन बालक व बालिका दोनों वर्ग से सब जूनियर व कैडेट कैटेगरी से खिलाड़ियों ने दम दिखाया। बालिका वर्ग में तुलसी कुमारी ने लखीसराय को पहला गोल्ड दिलाया। बेगूसराय की आद्या शक्ति को रजत पदक मिला। जबकि, कटिहार की कुशुम कुमारी को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। मुंगेर की कुमारी सृष्टि ने कैडेट वर्ग में गोल्ड जीता। समाचार लिखे जाने तक खेल जारी था।

आज सीनियर व जूनियर कैटेगरी के होंगे मुकाबले- ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को सीनियर व जूनियर कैटेगरी के मुकाबले होंगे। शनिवार को जूनियर व कैडेट कैटेगरी

के मुकाबले संपन्न हो गए। उन्होंने बताया कि निर्णायक की भूमिका में यूपी के दो सहित 12 रेफरी हैं। जेपी मेहता, निखिल कुमार, धीरज कुमार, लक्ष्मी पाठक, रिया सिंह, अंजलि कुमारी, काजल कुमारी, अनवारूल हक, भवानी सिंह, जानशु कुमार, धीरज यादव व आदर्श गुप्ता शामिल हैं।

बच्चों ने दिखाया जोरदार दम- चैंपियनशिप में बेगूसराय, कटिहार, मुंगेर सहित सूबे के कई जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने जोरदार दम दिखाया। खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखकर मौजूद दर्शकों ने जोरदार उत्साहवर्धन किया। मौके पर ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिहार के सह सचिव निखिल कुमार, कोषाध्यक्ष रविरंजन पांडेय, सौरभ कुमार, अजय कुमार सिंह, राजेश कुमार, मनोज सिंह, गोविंद कुमार, निर्भय कुमार, बादल कुमार, मो. मजहर इकबाल आदि उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने की बाढ़ एवं सुखाड़ पूर्व तैयारी की समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

समाहरणालय स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में जिलाधिकारी के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, बाढ़ एवं जल निस्सरण प्रमंडल के अभियंताओं के साथ बैठक कर बाढ़ पूर्व तैयारी की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान अपर समाहर्ता, जिला आपदा प्रबंधन शाखा के द्वारा बताया गया कि जिला के कुल 27 प्रखंडों में 20 प्रखंड बाढ़ से प्रभावित होते हैं जिसमें आठ प्रखंड पूर्ण रूप से प्रभावित होते हैं एवं शेष 12 प्रखंड आंशिक रूप से प्रभावित होते हैं। उन्होंने बताया कि 15 जून तक जिला में बारिश सामान्य से 60% कम हुई है। सभी प्रखंडों में वर्षा मापी यंत्र लगाए गए हैं और सभी कार्यशील हैं। बाढ़ पूर्व तैयारी के संबंध में उन्होंने बताया कि जिला में कुल 327 स्थानों को शरण स्थल के रूप में चिह्नित की गई है। कुल 296 स्थल सामुदायिक रसोई के लिए चिन्हित हैं। बाढ़ आश्रय स्थल के रूप में 10 स्थान को चिन्हित किया गया है। जिला में कुल 37785 पॉलिथीन शीट्स उपलब्ध है। स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी ने बताया कि संभावित बाढ़ को देखते हुए कुल 184 मेडिकल टीम का गठन किया गया है जो चलंत मोड में भी कार्यरत रहेगा। उन्होंने बताया कि सभी जरूरी दवाइयों की व्यवस्था कर ली गई है। जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि पशुओं की देखभाल के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 80 ऊंचे चरण स्थल का चयन किया गया है एवं पशु चारा को ससमय उपलब्ध कराने के लिए निविदा के माध्यम से आपूर्ति करता का चयन कर लिया गया है। जिलाधिकारी के द्वारा कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने का निर्देश देते हुए कहा गया कि चिन्हित किए गए शरणस्थली एवं आश्रय स्थली के पास अस्थाई चापाकल एवं अस्थाई शौचालय की व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे। सभी अंचल अधिकारियों को नाव,नाविक, गोताखोर, लाइफ जैकेट, महाजाल की व्यवस्था आवश्यकता अनुसार आकलन करते हुए सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के परिवारों का डाटा आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर आधार अपडेशन करते हुए सत्यापित करेंगे। अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन शाखा श्री राजेश्वरी पांडे के द्वारा बताया गया कि आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर 81% आधार का सत्यापन कर लिया गया है और शेष को शीघ्र ही कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर आपदा संचालन केंद्र 06252-242418 पर कार्यरत है। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी तटबंध बाढ़ से प्रभावित होते रहे हैं उनकी सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था एवं निगरानी की जाए। इसके लिए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को अलग से प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश जारी किए गए हैं।

शांतिपूर्ण एवं सद्भाव के साथ मनायें बकरीद का त्योहार: जिलाधिकारी

ईद-उल-जोहा (बकरीद) को लेकर 466 स्थलों पर हुई दण्डाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के द्वारा समाहरणालय स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में जिला के सभी वरीय पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी डीसीएलआर, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी के साथ बैठक कर बकरीद के त्योहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए विधि व्यवस्था पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि क्षेत्र में भ्रमण एवं गस्ती बढ़ा दी जाए तथा छोटी से छोटी घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए उसका समाधान तुरंत किया जाए।आसूचना तंत्र को मजबूत किया जाए एवं जो भी चीज संज्ञान में आए अपने वरीय पदाधिकारी को इसकी सूचना जरूर दी जाए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा जिला संयुक्त आदेश जारी करते हुए कहा गया है कि ईद-उल-जोहा (बकरीद) पर्व 17 जून 2024 को मनाये जाने की सूचना है जो चांद के दृष्टिगोचर होने पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा है कि इस पर्व के अवसर पर मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी एवं सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। पर्व के अवसर पर साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाले तथा अफवाह फैलाने वाले तत्वों, संस्थाओं, असामाजिक तत्वों एवं गुण्डा तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न स्तर पर पदस्थापित पदाधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य लोगों का भी सहयोग प्राप्त करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक में निर्वाचित सदस्यों को भी भाग लेने हेतु आमंत्रित करना सुनिश्चित करेंगे। सभी थानाध्यक्ष एवं ओ.पी. अध्यक्ष को अपने-अपने क्षेत्र में साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों की सूची पूर्व से ही तैयार कर लेने का निर्देश दिया गया, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर उनके विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित किया जा सके। ईद-उल-जोहा (बकरीद) पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु 466 स्थलों पर दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल, लाठी बल की प्रतिनियुक्ति की गयी है। सभी प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल तथा लाठी बल की प्रतिनियुक्ति सामान्यतः 16 जून के अपराहन से 19 जून 2024 तक रहेगा, परंतु किसी स्थान विशेष पर तनाव होने की अवधि में यह स्वतः बढ़ जाएगी। जिन स्थानों पर मुख्यालय से बल की प्रतिनियुक्ति नहीं की गयी है, वहाँ पर थानाध्यक्ष, ओ.पी. अध्यक्ष अपने-अपने थाना से चौकीदार/दफादार की प्रतिनियुक्ति करेंगे तथा स्वयं भ्रमणशील रहकर गश्ती करेंगे, ताकि किसी प्रकार की विधि- व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हो सके। सभी अनुमंडल के लिए अलग से वरीय पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है और उन्हें निर्देश दिया गया है कि अनुमंडल क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर विधि व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे एवं गस्ती के क्रम में संयुक्त आदेश में निर्गत निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराएंगे। जिला स्तर पर जिला नियंत्रण कक्ष 06252-242418 पर 24 घंटे कार्यरत रहेगा और यहां तीन पालियों में मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी एवं अफवाह फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्ती से निपटा जाएगा। इसके लिए साइबर सेल को एक्टिवेट कर दिया गया है। सभी प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी, दण्डाधिकारी, थानाध्यक्ष को हिदायत दिया गया है कि उक्त त्योहार के अवसर पर अपनी-अपनी ड्यूटी पूरी मुश्तैदी, चुस्ती एवं सतर्कता के साथ करेंगे तथा साम्प्रदायिक दृष्टिकोण को देखते हुए अपनी ड्यूटी जिम्मेदारी के साथ निभायेंगे। लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बकरीद पर्व के अवसर पर सभी अनुमण्डल पदाधिकारी एवं अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी अपने क्षेत्र अन्तर्गत विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के सम्पूर्ण प्रभार में रहेंगे तथा अपने दिशा-निर्देशन में प्रतिनियुक्ति करते हुए सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था बनाए रखते हुए पर्व को सौहार्द्रपूर्ण एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। अनुमंडल स्तर पर भी अनुमंडल कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है।

बालू मक्खी के खात्मे के लिए नियमित हो दवा का छिड़काव : डीभीडीसीओ

- आईआरएस छिड़काव कार्य का किया जा रहा है निरीक्षण
- 01 लाख 83 हजार घरों में छिड़काव दल करेंगे दवा का छिड़काव

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में कालाजार उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे आईआरएस छिड़काव कार्य की निगरानी भीडीसीओ व अन्य अधिकारियों के द्वारा की जा रहीं है। उचित मात्रा एवं सही तरीके से कर्मी दवा का छिड़काव करें। ताकि कालाजार के वाहक बालू मक्खी समूल नष्ट हो सके। डीभीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि जिले के 23 प्रखंडों में कुल 01 लाख 83 हजार घरों में छिड़काव दल द्वारा दवा का छिड़काव किया जा रहा है भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार व सत्यनारायण उरांव, गौतम कुमार ने सुगौली, मधुबनी घाट पकड़ीदयाल, तुरकौलिया व अन्य प्रखंड क्षेत्र में जाकर निरीक्षण के क्रम में आईआरएस छिड़काव दल के सदस्यों,ग्रामीणों से मुलाकात करते हुए , घर-घर जाकर ग्रामीणों को घरों में ठीक ढंग से छिड़काव कराने को प्रेरित किया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि आईआरएस छिड़काव कालाजार उन्मूलन के लिए है। भीडीसीओ सत्यनारायण उरांव ने ग्रामीणों को कालाजार से संबंधित लक्षण की जानकारी देते हुए आईआरएस छिड़काव को सफल बनाने का आह्वान किया।

मरीजों को मिलेगी 7100 रुपए श्रम- क्षतिपूर्ति राशि- जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शर्मा ने बताया कि प्रति मरीज 7100 की श्रम-क्षतीपूर्ति राशि भी दी जाएगी। ये राशि भारत सरकार व राज्य सरकार के तरफ से दिया जाता है। मरीजों के लिए 6600 की राशि मुख्यमंत्री कालाजार राहत अभियान के अंतर्गत वहीं प्रति मरीज 500 रूपये भारत सरकार के तरफ से दिया जाता है।उन्होंने बताया की कालाजार के लक्षण वाले मरीज मिलने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर उनकी समुचित जांच की जाएगी। साथ हीं कालाजार की पुष्टि होने पर पूर्ण उपचार भी किया जाएगा जो पूरी तरह से निःशुल्क होगा।उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत महादलित बस्तियों, गौशालाओं एवं झुग्गी-झोपड़ियो को विशेष रूप से शामिल किया जा रहा है।इन स्थानों पर कालाजार के मरीज व बालू मक्खी मिलने की संभावना ज्यादा होती हैं।

हाईवा और बाइक के टक्कर में बाइक सवार की मौत, एक घायल

- घायल को रेफर किया गया सदर अस्पताल मोतीहारी
- हाईवा चालक हिरासत में

बीएनएम। सुगौली

रफ्तार के कहर ने एक और आदमी को मौत के आगोश में पहुंचा दिया।घटना शनिवार के अपराह्न सुगौली -रक्सौल राष्ट्रीय राजमार्ग एन एच 28ए आमिर खान टोला के समीप की बताई जाती है। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के केकरवा निवासी हीरा यादव के रूप में हुई है। वहीं बुरी तरह से घायल मझौलिया थान के डूमरी महनवा निवासी ललन यादव का पुत्र मुन्ना कुमार बताया जाता है।घायल का स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में प्रथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल मोतीहारी रेफर कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक सवार मुन्ना यादव व हीरा यादव सुगौली की तरफ से जा रहे थे, वहीं विपरीत दिशा से आ रहा हाईवा रजि. सं.बी आर 06जी सी6787 अपने लेने से दूसरे लेन में आकर बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दिया। जिसमें हीरा यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि बाइक सवार मुन्ना का पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाईवा पर से पश्चिम चम्पारण जिले के सेमरा थाना स्थित खुरखुरवा गांव निवासी उदयभान को हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतका को पोस्टमार्टम हेतु मोतीहारी भेज दिया गया है। पुलिस हिरासत में लिया गये उदयभान से पूछताछ करने में जुटी है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

संक्षिप्त समाचार

पंचायत सरकार भवन बनाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े

बीएनएम। तुरकौलिया। शंकरसरैया दक्षिणी पंचायत के तनसरिया गांव में पंचायत सरकार भवन बनाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े हैं। जहां मारपीट में लगभग आधा दर्जन लोग घायल हुए है। घटना के बाबत बताया जाता है कि शंकरसरैया दक्षिणी पंचायत में एक पंचायत सरकार बनना था। जिसका टेंडर किसी कम्पनी को मिली हुई है। जिसको लेकर स्थानीय मुखिया अपने पंचायत में ही शमशान घाट के समीप बनवाने के लिए अड़े थे। वही स्थानीय लोगों का कहना था की यहां पर पहले से शमशान घाट है। यहां पर सरकार भवन नही बनेगा। जब की अंचलाधिकारी तुरकौलिया द्वारा पंचायत सरकार बनाने के लिए उसी स्थल का एनओसी जारी किया गया है। शनिवार के दिन जब उस स्थल पर कार्य शुरू कराया जा रहा था। तभी तनसरिया के ग्रामीण एवम मुखिया के समर्थक आपस में भिड़ गए। जिसके कारण स्कॉर्पियो कार को झगड़ा कर रहे लोगो ने आग के हवाले कर दिया। मारपीट में दोनो पक्षों में लगभग आधा दर्जन घायल का इलाज सदर अस्पताल मोतिहारी में हो रहा है। जहां सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शांति बनाए रखने के लिए कैंप कर रही है। इंस्पेक्टर सुरेश यादव ने बताया है कि स्थानीय मुखिया समर्थक और तनसरिया के ग्रामीणों के बीच भूमि विवाद को लेकर झड़प हुई है। पुलिस शांति माहौल बनाने में अपना काम कर रही है। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है।

पलनवा थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

बीएनएम। रामगढ़वा। बकरीद त्यौहार को लेकर स्थानीय पालनावा थाना परिसर में शनिवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए थाना अध्यक्ष रमेश महतो ने कहा कि सभी लोगों सौहार्द पूर्ण वातावरण में बकरीद का त्योहार मनाए। किसी तरह की गड़बड़ी करने वाले सामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सचेत है वही इन्होंने यह भी कहा कि त्यौहार की पूर्ण से ही इंटरनेट मीडिया पर शासन की कड़ी नजर है। किसी भी तरह के विवादित या अपत्जनक पोस्ट शेयर करने वाले के खिलाफ प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगी।बैठक में दरोगा विनोद कुमार, अभिषेक कुमार पासवान, पूर्व मुखिया बिरेन्द्र झां, सुबोध कुमार, धीरज कुमार, अवधेश गिरी, सरपंच पति जितेंद्र शर्मा, समिति पति अफरोज खान, अबरे आलम, नंदकिशोर यादव, मनोज यादव, नवीन कुमार गदी, सहित थाना क्षेत्र के गणमान्य वेक्ति व पुलिस प्रसासन मौजूद थे।

बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

बीएनएम। केसरिया। बकरीद पर्व को शान्तिपूर्ण माहौल में मनाने लेकर शनिवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी व प्रबुद्धजन के साथ साथ दोनों समुदाय के लोग शामिल हुए। संबोधित करते हुए बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने कहा कि बकरीद पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं दें। वहीं पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम ने आपसी सौहार्द के साथ बकरीद पर्व मनाने की अपील की। अध्यक्षता करते हुए थानाध्यक्ष उदय कुमार ने कहा कि पर्व के दिन विधि-व्यवस्था को लेकर क्षेत्र में पुलिस भ्रमणशील रहेगी। साथ हीं क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों पर पुलिस मुस्तैद रहेगी। बैठक में नेजाम खान, विजय जायसवाल, शम्भू महतो, चुन्नू सिंह, वीरेंद्र राय, लव कुमार यादव, संजय किशोर तिवारी, अवनीश पाठक, नवील खान, सहित अन्य मौजूद थे।

मझौलिया थाना में हुआ जनता दरबार का हुआ आयोजन

बीएनएम। बेतिया। किसी भी प्रकार की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वाले को भेजा जाएगा जेल। बेवजह आपस में वर्चस्व को लेकर विवाद उत्पन्न नहीं करें।उक्त बातें अंचल अधिकारी राजीव रंजन कुमार ने शनिवार को आयोजित थाना परिसर में उपस्थित फरियादियों के भूमि संबंधित विवाद की सुनवाई के दौरान कहीं। शनिवार को जनता दरबार में नौतन खुर्द पंचायत के सिरकहिया समेत अन्य पंचायत का भूमि संबंधित मामलों में अतिक्रमण दाखिल खारिज परिमार्जन एवं निजी भूमि के सामने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने का मुद्दा छाया रहा।अंचलाधिकारी ने बताया कि पूर्व से अब तक 441 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। आज की सुनवाई के दौरान मुख्तार मियां रोजिद मियां आदूद मिया के मामलों की सुनवाई कर ऑन दी स्पॉट निष्पादन किया गया।वही 8 मामलों का निष्पादित करते हुए विभागीय पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों में जांच रिपोर्ट भी समय पर प्रस्तुत करने का निर्देश राजस्व कर्मचारी एवं अंचल कर्मियों को दिया गया है। ताकि मामलों का निष्पादन तीव्र गति से किया जा सके।इस मौ5के पर अंचल निरीक्षक रघुनाथ चौधरी,अखिलेश कुमार थाना के दरोगा अरविंद सिंह, बिहारी प्रसाद निराला समय दर्जनों की संख्या में फरियादी उपस्थित थे।

केसरिया में सामूहिक विवाह का आयोजन आज, तैयारी पूरी

बीएनएम। केसरिया। कैफेटेरिया परिसर में रविवार को आदर्श जन सेवा संस्थान की ओर से आयोजित आदर्श सामूहिक विवाहोत्सव में 11 जोड़े वर-वधु एक साथ विवाह के पवित्र बंधन में बंधेंगे। आयोजन समिति के सचिव रामकुमार गिरी ने बताया कि शादी समारोह को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। सभी कन्याएं एक ही पंडाल के नीचे जयमाला की रस्म निभाएंगी। समारोह में फेरे भी सामूहिक होंगे। हजारों लोग इस समारोह के साक्षी बनेंगे। बरात सम्राट अशोक भवन से निकेलगी जो विभिन्न मार्ग होते हुए ग्यारह रथ पर एक साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेगी। यह आयोजन अपने आप में एक अनोखा होगा। वहीं विविध कला विकास समिति के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा।इसके लिए भव्य पंडाल का निर्माण कराया गया है। आयोजन समिति के महासचिव राकेश कुमार रत्न ने बताया कि समारोह को ऐतिहासिक बनाने को लेकर कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। उन्होंने लोगों से इस समारोह को सफल बनाने की अपील की।

भंगहा पुलिस ने 107 लीटर शराब के साथ चारकारोबारी को किया गिरफ्तार, जेल

बीएनएम। बेतिया। भंगहा थाना क्षेत्र से शराब के साथ चार कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. थानाध्यक्ष राहुल प्रसाद मांझी ने बताया की शुक्रवार को गुप्त सूचना मिली की कुछ लोग शराब की कारोबार करता है. त्वरित कार्यवाही करते हुए सूचनाअर्थ पर छापेमारी की गई. सिसवा ताजपुर गांव के मंदिर के पास छापेमारी के दौरान 7 लीटर नेपाली अंग्रेजी शराब बरामद की गई. मौके पर शराब कारोबारी भंगहा निवासी शेख गुलशेद का पुत्र शेख मुन्ना व सिसवा ताजपुर निवासी शेख आबुल का पुत्र शेख मुन्ना को गिरफ्तार किया गया. वही रांगी नदी के पुल पर 100 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई. मौके पर पचरूखी निवासी आशुतोष दिसवा व संजय राय को गिरफ्तार किया गया।

राजनीतिक मे कटुता नही होनी चाहिए, सभी को सेवा की भावना से काम करनी चाहिए: आर के सिन्हा

बीएनएम। भोजपुर/आरा।

आरा परिसदन मे भाजपा के वरिष्ठ नेता सह पूर्व राज्यसभा सांसद आर.के.सिन्हा ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि आज की राजनीति बदल चुकी है।आज राजनीति मे कटुता का भाव ने स्थान पकड़ लिया हे।यह न देश के लिए ठीक है और न ही उनके लिए जिनमे कटुता भरा हुआ है। उन्होने आगे कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव समाप्त हो गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे सरकार बन गई है।सरकार मे शामिल सभी लोग देश को विकसित बनाने के लिए तत्पर है। विपक्ष अपना काम करे।चुंकि सरकार या विपक्ष सभी का एक ही काम है राष्ट्र विरोधियो से शक्ति से निपटना, देश को आगे बढाना और जनता की सेवा करना।सरकार अपना काम करे,जनप्रतिनिधि अपना जनप्रतिनिधित्व करे और विपक्ष भी राष्ट्र हित मे काम करे। राजनीति मे कटुता का कोई स्थान नही है,इससे देश,समाज, जनता और अपने खुद का नुकसान होता है।उन्होने कहा कि मै 1966 ई. से पं.दीनदयाल उपाध्याय जी के कहने पर जनसंघ मे शामिल हुआ और समाज,जनता की सेवा करता हूँ। जेपी आंदोलन के समय जेपी के कहने पर आंदोलन मे कुद पड़ा।लोगो को वही काम करना चाहिए जिससे आत्मसंतुष्टि मिले।मेरे बड़े भाई आईएस और मै आपीएस निकाला था,लेकिन मै आंदोलन मे चला गया और जेपी के कहने पर पूर्व सैनिकों को रोजगार देने का कार्य किया।आज तीन लाख लोगो को रोजगार दिया,जिससे 15-20 लाख परिवारो का रोजी-रोटी चलता है।उनके बेटे इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए निकाल रहे है।इससे क्या हुआ।मै अपने कार्य से संतुष्ट हूँ कि मैने लोगो का भलाई किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सह पूर्व राज्यसभा सांसद ने मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मै आपके बेटे को पार्टी मे दायित्व देना चाहता हूँ तो मैने कहा कि मुझे समाज सेवा करने दीजिए और मैने सांसदी छोड़ दी।मै आज अपने बेटे के साथ मंच साझा नही करता। उन्होने कहा कि राजनीति मे किसी भी विचारधारा के लोग हो,लेकिन उन्हे मिलकर राष्ट्रसेवा,समाजसेवा, जनसेवा करनी चाहिए।उन्होने उदाहरण देते हुए कहा कि कचहरी मे वकील पक्ष और विपक्ष की अलग-अलग पैरवी करता है,डॉक्टर अलग-अलग रोगो का ईलाज करता है,लेकिन मिलते सभी साथ है और साथ मे भोजन करते है। मै पिछले दिन लालु प्रसाद यादव से मिला,वहाँ मार्क्सवादी नेता ए राजा से भी मुलाकात हो गया।मैने सुगर रोगी होने कारण लालू जी को खजुर के गुड़ मे बना मोटे अनाजो वाला लकडु ले गया था। आर के सिन्हा ने संघ नेताओं द्वारा कही गई बात को उचित बताते हुए कहा कि राजनीति मे अहंकार नही होना चाहिए।मै ही किया हूं,ऐसी नही होनी चाहिए।संघ हमलोगो का मार्गदर्शक और पैतृक संस्था है।उनकी बातो पर सभी को ध्यान देना चाहिए। पत्रकारो द्वारा शाहाबाद क्षेत्र मे लोकसभा चुनाव की हार की सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अतिविश्वास के कारण हम कही-कही पीछे हो गए है।हमारी पार्टी और कार्यकर्ता मे कोई कमजोरी नही है। बाहरी शक्तियों द्वारा अफवाह फैलाया गया और चुनाव मे विदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लगा कर दुष्प्रचार किया गया।

गोनौली गांव में कपड़ा व्यवसायी ने की खुदकुशी

बीएनएम। बेतिया

लौरिया थाना क्षेत्र के गोनौली डुमरा पंचायत के गोनौली गांव के वार्ड संख्या 7 में एक युवा कपड़ा व्यवसायी द्वारा गले में फंदा डालकर खुदकुशी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। लौरिया अस्पताल में उसके परिजनों द्वारा इलाज के लिए लाया गया था, जिसे डॉ रौशन कुमार ने मृत घोषित कर दिया। परिजन शव को लेकर घर चले गए। मृतक की पहचान गोनौली डुमरा पंचायत के गोनौली गांव निवासी दिवाकर साह के 28 वर्षीय पुत्र मोहित कुमार के रूप में हुई है। मृतक युवक एक भाई और एक बहन था। उसकी शादी बीते 11 मार्च को बगहा के परसौनी के समीप मझौआ गांव में हुई थी। नाम न छापने की शर्त पर गोनौली गांव के ग्रामीणों ने बताया कि पति पत्नी में कुछ दिनों से अनबन चल रहा था और वह पत्नी के व्यवहार से खिन्न होकर शनिवार को दोपहर में अपने घर के कमरे को बंद कर गले में रस्सी डालकर सुसाइड कर लिया है। इधर घर में मृतक के माता पिता अपने इकलौते पुत्र की मौत पर हतप्रद हैं और वे अपने पुत्र शरीर को बार बार हिलाकर उठने को कहकर बेहोश हो जा रहे हैं। वहीं पत्नी भी दहाड़े मारकर रो रही है। पुरा गांव गमगीन हो गया है। इधर मृतक का शव अस्पताल से घर वापस आ गया, मृतक युवक बाइक पर बेडशीट रखकर गांव गांव घुमाकर फेरी का काम दिन में करता था और सुबह शाम में अपने आवास पर से बेडशीट बेचता था। ग्रामीणों का कहना है कि मोहित बहुत अच्छा लड़का था और मेहनती था। शादी के बाद से वह बहुत परेशान दिखता था। अभी उसकी एक छोटी बहन है, जिसकी शादी नहीं हुई है। मृतक के पिता भी गांव में कपड़ा का दुकान खोले हुए हैं तथा कपड़ा बेचते हैं। वहीं इस संबंध में लौरिया थानाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि जानकारी मिली है घटना की जांच की जा रही हैं।

पंचायत समिति की बैठक में हुई विकास योजनाओं पर चर्चा,कई मुद्दों पर हुई चर्चा

बीएनएम। बगहा

प्रखंड बगहा एक के सभागार भवन में शनिवार को प्रखंड प्रमुख चंद्रावती देवी की अध्यक्षता में आयोजित पंचायत समिति की बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जबकि संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार ने किया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रमुख ने उपस्थित सभी पदाधिकारी, कर्मी और जनप्रतिनिधियों को बैठक में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। पंचायत समिति बैठक के दौरान कुछ मुद्दों पर सदस्यों ने गहमागमी करने का प्रयास किया। लेकिन प्रखंड प्रमुख ने सभी को शांत कर के मामले को आगे बढ़ाया। सदस्यों ने कहा कि एमडीएम द्वारा स्कूल में खाना का गुणवत्ता सही नहीं हैं। जिस पर एमडीएम इंचार्ज ने एमडीएम को दुरस्त करने की बात कही ताकि स्कूल में गुणवतापूर्ण खाना जा सकें।बैठक के दौरान कई मुखिया द्वारा पीडीएस दुकानदारों द्वारा पंचायत के उपभोक्ताओं को आधार सीडिंग नहीं करने का मुद्दा उठाते हुए उपभोक्ताओं का ई आधार सीडिंग को तेजी करने की बात की गई। मौके पर मौजूद आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि अगर इस तरह का शिकायत है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी साथ सभी लाभुकों का आधार सीडिंग करने का निर्देशित किया जायेगा साथ ही कई सदस्यों ने बिजली का मुद्दा उठाया तो कई लोगों ने सड़क और जल जमाव का मुद्दा भी उठाया।उसके बाद सदस्यों ने पशु चिकित्सालय का भी मुद्दा उठाया और सुचारू ढंग से चलाने की बात कही। चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि जो संसाधन उपलब्ध है उसी के सहारे मवेशियों का इलाज किया जा रहा है।आंगनबाड़ी को लेकर उठाए गए सवाल पर सीडीपीओ प्रतिनिधि अमृता राज ने बाल विकास परियोजना और सरकार के स्तर पर चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से सदन में जानकारी दी।इसके बाद शिक्षा विभाग से जुड़े मुद्दे को उठाया गया। प्रखंड बगहा एक के विभिन्न पंचायत के विद्यालयों को उत्क्रमिक करने को कहा गया। इसके अलावा सदस्यों ने बिजली, सिचाई,स्वास्थ्य,शिक्षा,मनरेगा योजना,जीविका,बैंक, जन्म-मृत्यु,नल-जल,नहर एल,सड़क, पुल-पुलिया समेत अन्य मुद्दों को उठाया।सदस्यों के स्तर पर उठाए गए मुद्दों को पदाधिकारियों ने जवाब दिया एवं प्रस्ताव में लिया गया।मौके पर मौजूद बगहा विधायक राम सिंह से कई पंचायत सदस्यों ने विभिन्न मांगों को रखा। जहां विधायक ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए विभिन्न पंचायत के मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया।प्रमुख चंद्रावती देवी ने बैठक को सफल बताते हुए सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित की।इस अवसर पर बगहा विधायक राम सिंह, उपप्रमुख सर्वजीत पटेल, बीडीओ प्रदीप कुमार,बीपीआरओ अनिल कुमार,जे एस एस लक्ष्मीकांत श्रीवास्तव, एमओ प्रतिमा श्रीवास्तव, बीईओ पूनम देवी, बीएओ वीरेंद्र कुमार शर्मा, चिकित्सा पदाधिकारी बगहा एक एस.एन महतो, प्रमुख प्रतिनिधि पारस बैठा, मुखिया मुन्ना दास, आनंद शाही, दरोगा प्रसाद, नीतीश राव, ब्रजेश राम, दुर्गेश कुमार, प्रमोद कुमार, जेई राजा बाबू, सतेंद्र सिन्हा, शशिभूषण कुमार सहित कई आला अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बालू माफियाओं ने पुलिस टीम पर हमलाकर दारोगा की काटी उंगली

बीएनएम। बेतिया

बिहार में बालू माफिया के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। बालू के अवैध कारोबार में लगे बदमाश लगातार पुलिसकर्मियों को अपना निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला पश्चिम चंपारण के बेतिया से सामने आया है, जहां छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम पर बालू माफिया के लोगों ने हमला बोल दिया और तलवार से वार कर दारोगा की अंगुलियां काट ली तथा आरोपी को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ा लिया। दरअसलल, पूरा मामला मटियारिया के हौदा डुमरा गांव के नया टोला की है। जहां पुलिस टीम छानेमारी करने के लिए पहुंची थी। पुलिस टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था, तभी बालू माफिया के समर्थकों ने हमला बोल दिया और दारोगा पर तलवार से हमला कर उसके हाथ की दो अंगुलियां काट दिया और आरोपी को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ा कर अपने साथ ले भागे। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घायल दारोगा को इलाज के लिए जीएमसीएच में भर्ती कराया है। बालू माफिया के हमले में दो और जवान शंभू खतईत और शंभू प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनका इलाज भी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इस मामले में थानाध्यक्ष अंकित कुमार दास ने एफ़आइआर दर्ज कर घटना के वीडियो फ़ुटेज से आरोपियों की पहचान की। उसके बाद देर रात गिरफ़्तारी के लिए छापेमारी हुई तो तलवार से हमला बोल दिया गया। पुलिस दल पर हुए हमला को लेकर बालू तस्कर कलाम अंसारी, उसके भाई सलाम अंसारी, अफरोज अंसारी सहित चार मुख्य व दो दर्जन से अधिक अज्ञात के विरुद्ध एफ़आईआर दर्ज की गई है। वही बेतिया पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी के हवाले से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नरकटियागंज के नेतृत्व में छापामारी कर इस संबंध में चार अभियुक्तों की गिरफ्तारी की बात बताई गई है और अन्य अभी गिरफ्तारी हेतु छापामारी जारी है।

नवनिर्वाचित भाजपा सांसद डॉ संजय जायसवाल का रक्सौल में हुआ अभिनन्दन

बीएनएम। रक्सौल

भाजपा कार्यकर्ताओ ने सांसद को लड्डू से तौला

लोकसभा चुनाव में बम्पर जीत हासिल करने के बाद प. चम्पारण के नव निर्वाचित सांसद डॉ संजय जायसवाल पहली बार रक्सौल पहुचे। जहा रक्सौल भाजपा नगर कमिटी के सदस्यों द्वारा भव्य रूप से स्वागत किया गया। सांसद डॉ संजय जयसवाल को बीजेपी कार्यकर्ता द्वारा लड्डू से तौला गया। वही नव निर्वाचित सांसद डॉ जायसवाल को भाजपा कार्यकर्ता व विभिन्न संगठन के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ व अंग वस्त्र तथा मेमेंटो देकर सम्मानित किया । सांसद ने अपनी इस जीत को जनता की जीत बताया और सांसद डॉ संजय जयसवाल ने कहा कि सड़कें पुल पुलिया और रक्सौल में ओवरब्रिज सहित अन्य लंबित कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा होगा,। वही उन्होंने कहा रक्सौल रेलवे स्टेशन विश्व स्तरीय स्टेशन बनेगा । साथ ही बाकी बचे काम को भी जल्द से जल्द पूरा करने का काम किया जाएगा। विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा ने अपार बहुमत से जीत दिलाने के लिये रक्सौल की जनता का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष कन्हैया सराफ व संचालन प्रेमचंद कुशवाहा ने की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद, भाजपा नेता ई जितेंद्र कुमार, गुड्डू सिंह, मनीष दुबे, गणेश धनौटीया, राकेश जायसवाल, अजय पटेल, राकेश कुशवाहा, नितेश पटेल, मृत्युंजय सिंह, दिलीप कुशवाहा, रिपुसूदन गुप्ता, राकेश गुप्ता, अरुण गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि लालबाबू सिंह, निरंजन साह, अरविंद सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मीतू गुप्ता, भरत गुप्ता, रवि गुप्ता, मीरा देवी, पूर्व सभापति ओम प्रकाश गुप्ता, राजकिशोर राय सहित कई भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

बीएनएम। हरसिद्धि

बकरीद को लेकर थाना परिसर में शनिवार को शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता दरोगा अनिल कुमार सिंह ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए अनिल कुमार सिंह ने कहा कि आपसी भाईचारे की पर्व बकरीद को मिल जुल कर शांति पूर्ण माहौल में मनाए। उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि आप लोग मिलजुल कर इस पर्व को मनाएंगे कहीं से भी कोई अनहोनी की सूचना होगी तो इसकी सूचना थाना को अवश्य देंगे। मौके पर मुखिया कस्तूरी खान, मुखिया पति ललन सहनी, मुखिया राज कुमार राम, सरपंच राजीव रंजन कुशवाहा, सहित सैकड़ों जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

संपादकीय

पुलिस का पहरा नाकाफी

राजधानी दिल्ली में पानी संकट के बीच पुलिस की इंट्री आश्चर्य पैदा करती है। अब पानी को माफिया से बचाने के लिए पुलिस को ज्यादा चौकस रहना होगा। पानी माफियाओं के बढ़ते दखल के बाद अब कम-से-कम पुलिस को ज्यादा मेहनत करनी होगी। इस बाबत पुलिस फोर्स ने चौकियां स्थापित की हैं और दिल्ली को पानी की आपूर्ति करने वाली नहर के हरियाणा की सीमा पर 15 किलोमीटर के हिस्से पर गश्त शुरू कर दी है। दरअसल, राजधानी इस सीजन में पानी का अभूतपूर्व संकट झेल रहा है। गर्मी की शुरुआत से ही यहां पानी की भारी किल्लत होने लगी थी, मगर न तो दिल्ली की सरकार ने और न केंद्र सरकार ने इस ओर ध्यान दिया। जब तपिश अपने चरम पर पहुंची और जल के लिए त्राहिमाम हुआ तब इधर-उधर से पानी मांगे जाने का प्रपंच शुरू हुआ।

वैसे, यह सिर्फ इस सीजन की बात नहीं है। हर साल पानी को लेकर दिल्ली की दुारियां चरम पर रहती है। इस बार ज्यादा गर्मी की वजह से मामला चर्चा में आया। बहरहाल, भले टैंकर माफिया पर नकेल कसने के लिए पुलिस को जिम्मेदारी सौंपी गई हो, मगर जो हालात पानी को लेकर दिल्ली की दिखती है उसमें खाकी की भूमिका बहुत ज्यादा नहीं है। उसकी वजह बहुत साफ है। एक तो दिल्ली का अपना पानी का कोई सिस्टम नहीं है। पानी का ज्यादातर हिस्सा यमुना नदी का है। कुछ बोरवेल दिल्ली सरकार ने लगवाए हैं। मगर ये सब कार्य पानी की अभी की स्थिति के सामने बहुत छोटी है। यही वजह है कि पानी के लिए कभी हरियाणा तो कभी उत्तर प्रदेश तो कभी हिमाचल प्रदेश के आगे चिरौरी करनी पड़ती है। अगर दिल्ली को पानी के संकट से निजात पाना है तो उसे सबसे पहले पानी के पूर्व के स्रेतों पर काम करना होगा। इसके अलावा पानी माफिया पर कड़ा रुख दिखाना होगा। पानी की चोरी और उसके बेवजह बह कर बर्बाद होने पर भी नजर रखनी होगी। छोटे-छोटे प्रयास के दम पर ही हम दिल्ली को इस समस्या से उबार सकते हैं। अदालत की चौखट तक जाने से पहले हमें उन पारंपरिक जल स्रेतों पर गंभीरतापूर्वक काम करना होगा। हिमाचल या हरियाणा से पानी मंगाने का चलन अब बंद होना चाहिए। दिल्ली की जनता को भी इस मामले में ईमानदार और सजग रहने की जरूरत है क्योंकि अंततः भोगना उन्हीं को पड़ता है। दिल्ली में पानी की समस्या बड़ी तो है, मगर उतनी बड़ी नहीं कि उसका निदान न हो।

दुरुस्त हो योजना

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों की तीन सेवाओं में सैनिकों की भर्ती के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई योजना है, जिसकी घोषणा जून 2022 में की गई। योजना के तहत भर्ती जवानों को अग्निवीर कहा जाता है। सरकार ने अब इस योजना की समीक्षा का कार्य दस अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों को सौंपा है। वे इस भर्ती को अधिक आकषर्क बनाने के सुझाव भी देंगे। इसकी कमियों को दूर भी किया जा सकता है। यह भर्ती चार साल के लिए होती है, जिसमें नियमित वेतन के अतिरिक्त चार साल पूरे होने के बाद अग्निवीरों को लगभग बारह लाख रुपए मिलते हैं। निश्चित संख्या में तकरीबन पच्चीस फीसद अग्निवीरों को स्थायी सेवा का अवसर भी मिलता है। माना जा रहा है कि अग्निवीर योजना के अंतर्गत वेतन भत्तों में बढ़ोतरी व अन्य लाभ का प्रस्ताव दिया जा सकता है। चूंकि यह योजना सरकार के प्रथम सौ दिन के एजेंडे में शामिल है इसलिए अधिकारी अपनी विस्तृत प्रस्तुति जल्दी ही प्रधानमंत्री कार्यालय को देंगे। आम चुनाव के दौरान इस योजना को विपक्ष द्वारा लगातार निशाने पर रखा गया था। वे अग्निवीर योजना को युवाओं के भविष्य के प्रति खिलवाड़ की तरह पेश कर रहे थे। साथ ही सत्ता में आने पर इसे समाप्त करने की भी बात की जा रही थी। यह मोदी सरकार की रोजगार योजना का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि विशेषज्ञों व पूर्व सैनिकों की दलील है कि मात्र छह माह के प्रशिक्षण से सैनिक नहीं तैयार होता। दूसरे, पूर्व-अग्निवीरों को अर्ध-सैनिक बलों या पुलिस बलों जैसी सेवाओं में शामिल न किए जाने को लेकर सरकार की बहुत आलोचना हो रही है। इतना ही नहीं बल्कि इसे मायावी रोजगार कहा जा रहा है। इन्हें देश के सशस्त्र बलों में सेवा के लिए अयोग्य भी घोषित किए जाने को लेकर विवाद है। सेवा की इस अल्प अवधि यानी चार साल बाद ये युवा पुनः बेरोजगारों की श्रेणी में आ जाएंगे। ऐसे में इन्हें अप्रशिक्षित कामगारों के तौर पर काम के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। बाइस साल उम्र में जब ये युवा सेवा से बाहर होंगे तो नए सिरे से इन्हें काम की तलाश में भटकना पड़ सकता है। लाजमी है, सरकार ने इसी तरह की समस्याओं को सुलझाने के लिए समीक्षा व सुझाव की कोशिश की है। उम्मीद की जानी चाहिए, इसमें अग्निवीरों के बेहतर भविष्य की बुनियाद रखी जा सके।

सरकार ने अब इस योजना की समीक्षा का कार्य दस अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों को सौंपा है। वे इस भर्ती को अधिक आकषर्क बनाने के सुझाव भी देंगे। इसकी कमियों को दूर भी किया जा सकता है। यह भर्ती चार साल के लिए होती है, जिसमें नियमित वेतन के अतिरिक्त चार साल पूरे होने के बाद अग्निवीरों को लगभग बारह लाख रुपए मिलते हैं। निश्चित संख्या में तकरीबन पच्चीस फीसद अग्निवीरों को स्थायी सेवा का अवसर भी मिलता है।

शपथ ग्रहण : कुछ रह सा गया

नौ जून को सरकार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विदेशी मेहमान (पड़ोसी देशों के प्रमुख), फिल्मी मेहमान, कारोबारी मेहमान सब थे, लेकिन देश का विपक्ष नदारद था। राष्ट्रपति भवन के मैदान में हुए बड़े जलसे में देश-विदेश से 8000 से ज्यादा मेहमान बुलाए गए थे। विपक्ष को सम्मानपूर्वक आमंत्रित नहीं किया गया, इसलिए वहां देश की प्रमुख नेता सोनिया गांधी और शरद पवार नहीं दिखे। वाम राजनीति के बड़े चेहरे सीताराम येचुरी और डी राजा भी नहीं थे। जम्मू कश्मीर के बड़े नेता फारुख अब्दुल्ला और लोक सभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता अखिलेश यादव भी नहीं पहुंचे।

न पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और न तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन नजर आए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखिवंदर सिंह सुक्खू, झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की अनुपस्थिति भी खल रही थी। ये सभी देश के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों का नेतृत्व करते हैं। विदेशी मेहमान विपक्षी नेताओं से भी परिचित हैं, इसलिए स्वाभाविक है उनके मन में भी यह सवाल आया होगा कि देश की सरकार बनने जैसे खास मौके पर विपक्ष क्यों उपस्थित नहीं रहा? इसे किस तरह से लिया होगा कहने की जरूरत नहीं है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मिलने जब सोनिया गांधी का परिवार गया होगा तब अन्य बातों के साथ विदेशी मेहमान ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से उनके सरकार के साथ रिश्तों पर भी बात की होगी। विपक्ष का कहना है कि उसे शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित ही नहीं किया गया था। विपक्ष के सांसदों की भी ऐसे ही शिकायत थी। विपक्ष सच बोल रहा है अथवा झूठ यह तो वह जानता है या फिर सरकार। हालांकि यह भी सच है कि विपक्ष के आरोपों का सरकार ने कोई खंडन नहीं किया। सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं को शपथ ग्रहण समारोह के आमंतण्रपत्र पार्टी दफ्तर से लेने में कोई दिक्कत नहीं आई।

यहां यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जो राज्य सभा में विपक्ष के भी नेता हैं सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। बेमन से राष्ट्रपति भवन पहुंचे खरगे ने कहा कि वह संवैधानिक बाध्यता की वजह से यहां हैं, अपनी खुशी से नहीं। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट करके उनको बधाई दी अथवा नहीं, इसकी जानकारी दोनों नेताओं ने नहीं दी। सरकार बनने के बाद शिष्टाचारवश भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता नहीं मिले। विपक्षी नेताओं ने सोशल मीडिया पर भी सरकार को बधाई देने में संकोच किया। पुरानी परंपराएं टूटने लगी है। संसदीय कार्य मंत्री और वरिष्ठ मंत्रियों ने सबसे बड़े विपक्षी दल के नेताओं से भी मुलाकात नहीं की।

संसद के भीतर कानून सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसदों को मिलकर बनाना है इसलिए उनके बीच दुआ-सलाम तो हर हाल में बनी ही रहनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच रिश्तों में खिंचाव का असर गठबंधन सरकार और संसद पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। नई लोक सभा के अध्यक्ष का 26 जून को चुनाव होना है। लोक सभा का अध्यक्ष निर्विरोध चुनवाने के लिए सरकार को विपक्ष की मदद की जरूरत होगी। चूंकि दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं है इसलिए इसमें कठिनाई जाएगी। विपक्ष दो ही स्थिति में सरकार को सहयोग कर सकता है। या तो सरकार विपक्ष को उपाध्यक्ष का पद देने का प्रस्ताव करे अथवा ऐसे सांसद को लोक सभा अध्यक्ष का उम्मीदवार बनाए जो सर्वमान्य हो।

कारपोरेट नहीं कोऑपरेटिव वाली गठबंधन सरकार जिन क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाना चाहती है उनमें से एक क्षेत्र है सहकारिता। इसके जरिए सरकार यह धारणा भी बनाना चाहती है कि वह कारपोरेट को नहीं कोऑपरेटिव (सहकारिता) को बढ़ावा दे रही है। सरकार प्रायः सभी क्षेत्र कोऑपरेटिव के लिए खोलना चाहती है। पेट्रोल पम्प और दवाओं की बिक्री जैसे उपक्रम पिछले कार्यकाल में उसने कोऑपरेटिव संस्थाओं को दिए थे। सरकार कोऑपरेटिव संस्थाओं में दशकों से जमे नेताओं को भी हिलाना चाहती है। इसीलिए कोऑपरेटिव संस्थाओं में चुनाव के लिए चुनाव आयोग जैसी संस्था बनाने का प्रस्ताव है। सरकार पहले ही सारी कोऑपरेटिव संस्थाओं का डेटा तैयार करवा चुकी है, संस्थाओं को कंप्यूटराइजेशन के लिए भी सख्ती से बाध्य किया गया है। सहकारिता मंत्रालय गृह मंत्री अमित शाह के पास होने से कोऑपरेटिव की सारी बड़ी संस्थाएं चाहे वह अमूल हो या इफको सब सहयोग कर रही हैं।

कृषि क्षेत्र सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है क्योंकि किसानों का विश्वास सरकार पर नहीं है। सरकार ने पुराने वादे पूरे नहीं किए हैं इसलिए उसके लिए इस क्षेत्र में कोई सुधारवादी कदम उठाना बेहद मुश्किल होगा। किसानों की सबसे बड़ी मांग एमएसपी न्यूनतम समर्थन मूल्य) कानूनी गारंटी को लेकर सरकार के पास कोई ठोस जवाब नहीं है। पंजाब में चल रहा किसान आंदोलन फिर गति पकड़ने लगा है। किसान संगठन सक्रिय हो गए हैं। पंजाब में किसानों का बड़ा वर्ग कंगना को किसान विरोधी मानता है। इधर, तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने किसान नेताओं को फोन करके कहा है कि वह आंदोलन का समर्थन करती हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के पांच सांसद भी पंजाब में किसानों के धरना स्थल पर भेजे। अगले महीने जुलाई में किसान नेता दिल्ली में सांसदों से मिलेंगे और आंदोलन के लिए आगामी कार्यक्रम बनाएंगे। सरकार की चुनाव में सबसे ज्यादा आलोचना बेरोजगारी की वजह से भी हुई। इस मुद्दे पर सरकार चलाने वाली भाजपा और उसके सहयोगी कोई जवाब नहीं दे सके। नए कार्यकाल में भी उसके समक्ष रोजगार देने की चुनौती है। पिछले कार्यकाल में सरकार ने हर बार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआई) के सदस्यों की संख्या के आधार पर रोजगार के मोर्चे पर अपना बचाव किया लेकिन विफल रही। पिछली संसद में सरकार ने चार लेबर कोड पारित कराए थे, लेकिन श्रमिकों के विरोध के चलते इसे लागू नहीं कर सकी थी। बड़ी संख्या में श्रम कानून को समाप्त करके श्रम सुधार के नाम पर लाए गए लेबर कोड को लागू करना अब भी सरकार के लिए चुनौती है। सभी श्रमिकों को पेंशन दी जानी है यह विषय भी सरकार को हल करना है।

-अजय तिवारी

उत्तर प्रदेश : सपा की जीत के मायने

अचानक कहीं कुछ नहीं होता, अंदर ही अंदर कुछ घिस रहा होता है, कुछ पिस रहा होता है।' इन पंक्तियों में कवि ने इस बात पर इशारा किया है कि किसी भी काम का विपरीत अंजाम आने पर हमें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसा कैसे हो गया? जबकि उसके पीछे के कारणों पर कोई ध्यान नहीं देता। ऐसा ही कुछ हुआ 2024 के उत्तर प्रदेश में लोक सभा चुनाव परिणाम के बाद। यहां बीजेपी को पहले के मुकाबले इस बार बहुत कम सीटें मिलीं। ऐसा क्या कारण था कि भाजपा का प्रदर्शन इतना बुरा रहा? अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण। अनुच्छेद 370 का हटाना। तीन तलाक को खत्म करना। ये ऐसे कुछ मुद्दे थे जिन पर भाजपा को पूरा विश्वास था कि वह 'अबकी बार 400 पार' के अपने नारे को सच कर दिखाएंगे, परंतु ऐसा न हो सका।

ऐसा माना जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। इस बार के चुनाव में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम रहा उसने सत्तारूढ़ दल को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ऐसी कौन सी कमी उनकी नीति में थी जो वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने में विफल रही? ऐसा क्या हुआ कि पार्टी कार्यकर्ताओं में वो उत्साह नहीं था जो पिछले दो लोक सभा चुनावों में देखा गया? क्या संगठन के काम करने के ढंग या उनके द्वारा लिये गए गलत फैसलों ने जमीनी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित किया? क्या उत्तर प्रदेश में या अन्य राज्यों में, जहां भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था वहां पर उम्मीदवारों के चयन में गलती

हुई? हिंदुओं के लिए पूजनीय अयोध्या, रामेरम में मिली हार और प्रधानमंत्री को वाराणसी में पिछली बार के मुकाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत भी सवालों के घेरे में है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का 'अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनाव में कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था। भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व जमीन से कट गया है। इस बार के चुनाव को इतने चरणों में बांटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नजर आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षों में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं, जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएंगे।

इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया। वहीं दूसरी ओर देखें तो समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह उत्तर प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर अपनी नजर बनाए रखी और भागदौड़ की वो काफी फायदेमंद रहा। सपा के उम्मीदवारों का चयन और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का उन पर भरोसा, दोनों ही इन चुनावों में सही साबित हुए। यदि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इसी ऊर्जा और रणनीति से अभी से जुटे रहेंगे तो 2027 के विधान सभा चुनावों में भी उनका प्रदर्शन बढ़िया रहेगा। उत्तर प्रदेश के अगले विधान सभा चुनाव में यदि सही रणनीति और सही उम्मीदवारों का चयन हो, यदि वहां की जनता की समस्याओं के समाधान की एक ठोस योजना हो तो उन मतों को भी अपने पाले में लाया जा सकता है जो बुनियादी मुद्दों से भटका दिये गए हैं।

इतना ही नहीं, जिस तरह समाजवादी पार्टी को एक विशेष वर्ग के लोगों की पार्टी माना जाता था, उसका भी भ्रम इस बार के चुनावों में टूटा है।

सभी हिंदू तीर्थ स्थलों में सपा ने भाजपा को शिकस्त दी है। समाजवादी पार्टी ने जिस तरह 'एम-वाई' फैक्टर को नए रूप में पेश किया वह भी काम कर गया है। जिस तरह भाजपा हर समय चुनावी मूड में रहती है यदि विपक्षी पार्टियां भी उसी मूड में रहें तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे पाएंगी। इसके साथ ही सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को ही इस बात पर भी तैयार रहना चाहिए कि यदि किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो गठबंधन की सरकार ही विकल्प होता है। यदि कोई भी दल इस अहंकार में रहे कि वो एक बड़ा और प्रभावशाली राजनैतिक दल है और विपक्ष दशर्क दीर्घा में बैठने के लिए है तो फिर उसे तब झटका लगेगा ही जब उसे सरकार बनाने के लिए अन्य दलों के आगे झुकना पड़ेगा। हर दल को जनता के फैसले का सम्मान करना चाहिए। गठबंधन की सरकार में हर वो दल जिसके पास अच्छी संख्या हो वह किसी न किसी बात पर उखड़ भी सकता है। इसलिए भलाई इसी में है कि अपनी गलतियों से सबक लिया जाए और 'सबका साथ और सबका विकास' अमल में लाया जाए।

-रजनीश कपूर

आज का पंचांग

16 जून को ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि और रविवार का दिन है। दशमी तिथि रविवार पूरा दिन पार कर भोर 4 बजकर 45 मिनट तक रहेगी। 16 जून को रात 9 बजकर 4 मिनट तक वरीयान योग रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : आज कार्य क्षेत्र में नए सहयोगी बनेंगे. बनते बनते कार्यों में विघ्न बाधाएं आएंगी. अपने धैर्य को बनाए रखें. पूर्व से सोचे समझे कार्यों में सफलता प्राप्त होने की संभावना रहेगी. नौकरी में उच्च अधिकारियों से निकटता का लाभ मिलेगा. किसी परिजन के द्वारा अकारण वाद विवाद करने से परिवार में तनाव उत्पन्न हो सकता है.

वृष : आज बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत लोगों को अपने कार्य के साथ कोई नवीन जिम्मेदारी मिलेगी. सत्ता शासन में बैठे लोगों को किसी महत्वपूर्ण अभियान की कमान मिल सकती है. आपको सावधानी पूर्वक महत्वपूर्ण कार्यों में निर्णय लेने की आवश्यकता रहेगी. किसी के बहकावे में आकर कोई कार्य न करें.

मिथुन : आज रोजगार की तलाश में घर से दूर जाना पड़ सकता है. कोर्ट कचहरी के मामले में धैर्य पूर्वक कोई निर्णय करें. जल्दबाजी में निर्णय करना भविष्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है. कार्य क्षेत्र में बनते बनते कार्यों में व्यवधान आएंगे.

कर्क : आज किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ अवरोध के बाद सफलता प्राप्त होगी. कार्य क्षेत्र में नए सहयोगी बनेंगे. लोग आपकी उन्नति से परेशान होंगे. लड़ाई झगड़े से बचें. समाज में अपने सम्मान के प्रति अधिक सतर्क रहे. नौकरी करने वाले लोगों को लाभ उन्नति के अवसर मिल सकते हैं. लोगों के बहकावे में न आए.

सिंह : आज सरकारी नौकरी में संलग्न लोगों को स्थानांतरण से संबंधित समाचार मिल सकता है. राजनीतिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ने से विरोधी कुछ परेशान रहेंगे. धैर्य पूर्वक विपरीत परिस्थितियों का सामना करें. व्यापार में अधिक परिश्रम करने पर भी उस अनुपात में उसका फल मिलने की अधिक संभावना नहीं है. सोच समझकर महत्वपूर्ण कार्यों में निर्णय ले.

कन्या : आज दिन की शुरुआत किसी शुभ समाचार के साथ होगी. कार्य क्षेत्र में उच्च पदस्थ व्यक्ति से मार्गदर्शन एवं सानिध्य प्राप्त होगा. बौद्धिक कारण लोगों को कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी. यदि किसी मुश्किल परिस्थिति में फंसे हैं तो उससे मुक्ति मिलेगी.

तुला : आज कार्य क्षेत्र में व्यर्थ भागदौड़ अधिक रहेगी. किसी बने हुए कार्य में व्यवधान आने से मन खिन्न हो सकता है. लंबी दूरी की यात्रा या विदेश यात्रा के योग बनेंगे. भीग विलास की वस्तुओं की आवश्यकता महसूस करेंगे. व्यापार में कठिन परिश्रम के बाद अपेक्षित आमदनी न होने से मन खिन्न रहेगा.

वृश्चिक : आज कोई शुभ समाचार मिल सकता है. नौकरी में पदोन्नति के साथ मनचाहे स्थान पर तैनाती मिलेगी. कार्य क्षेत्र के संबंध में योजना बनेगी. भविष्य में इसका अच्छा लाभ प्राप्त करने के योग हैं.

धनु : आज पूर्व से किए गए प्रयासों का लाभ प्राप्त होगा. अपने ऊपर अधिक भरोसा रखें. कार्यक्षेत्र में योजना बद्ध रूप से कार्य संचालन करना शुरू होगा. साझेदारी के रूप में व्यापार करने के योग बन सकते हैं. आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति को अपने सहयोगियों के साथ सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए.

मकर : आज चल रहे समन्वयक कार्य में प्रगति का सुयोग्य है. राज्य अथवा समाज में मान सम्मान मिलेगा. कारोबार में नया समझौता फायदा पहुंचाएगा. विरोधी की गतिविधियों को ध्यान रखें. विरोधियों के विश्वासघात से बचकर कार्य करें. कार्य क्षेत्र में चली आ रही बधाएं में कम होगी.

कुंभ : आज आपके साहस एवं पराक्रम का राजनीतिक क्षेत्र में विरोधी भी लोहा मानेगें. आपके साहस व पराक्रम की मन ही मन सराहना करेंगे. भाई बहनों का सहयोग व सानिध्य मिलेगा. व्यापार में मेहनत लाभकारी सिद्ध होगी. नौकरी में नौकर चाकर का सुख बढ़ेगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी आपको मिलेगी.

मीन : आज व्यापार में मनोवांछित सफलता प्राप्त होगी. आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को नौकरी में अपने सहयोगियों के साथ अधिक तालमेल बनाने की आवश्यकता रहेगी. व्यवसाय के क्षेत्र में संलग्न लोगों को सम्मान प्राप्त होगा. कार्य क्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल होंगी. छोटी-छोटी यात्रा के क्षेत्र में लोगों को महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी.

संस्कृत में कॅरियर संभावनाएँ

संस्कृत पुरानी इंडो-आर्यन की एक मानकीकृत बोली है, जो दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व में वैदिक संस्कृत के रूप में उत्पन्न हुई। सबसे पुरानी इंडो-यूरोपियन भाषा, जिसके लिए पर्याप्त लिखित दस्तावेज मौजूद हैं, संस्कृत इंडो-यूरोपियन अध्ययनों में एक प्रमुख स्थान रखती है। संस्कृत, हिंदू धर्म की प्राथमिक साहित्यिक भाषा है; हिंदू धर्म, सिख धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म की एक दार्शनिक भाषा; और एक साहित्यिक भाषा और प्राचीन और मध्ययुगीन भारत और नेपाल की भाषा। हिंदू और बौद्ध संस्कृति को दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया के कुछ हिस्सों में प्रसारित करने के कारण, प्रारंभिक मध्य युगीन काल के दौरान इनमें से कुछ क्षेत्रों में उच्च संस्कृति की भाषा भी थी। भारत की सबसे पुरानी भाषा जिसे देवभाषा भी कहा जाता है, वह संस्कृत है।

संस्कृत पुरानी इंडो-आर्यन की एक मानकीकृत बोली है, जो दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व में वैदिक संस्कृत के रूप में उत्पन्न हुई। सबसे पुरानी इंडो-यूरोपियन भाषा, जिसके लिए पर्याप्त लिखित दस्तावेज मौजूद हैं, संस्कृत इंडो-यूरोपियन अध्ययनों में एक प्रमुख स्थान रखती है। संस्कृत साहित्य में कविता और नाटक के साथ-साथ वैज्ञानिक, तकनीकी, दार्शनिक और धार्मिक ग्रंथों की एक समृद्ध परंपरा शामिल है। संस्कृत को पिछले 3,500 वर्षों से पढ़ाया जा रहा है और इसकी विरासत भारत की सच्ची संस्कृति को समृद्ध करते हुए लंबे समय से जारी है। माना जाता है कि सबसे पुरानी इंडो-यूरोपियन भाषाओं में से एक, जिसके लिए पर्याप्त लिखित दस्तावेज मौजूद हैं, संस्कृत तेजी से आम लोगों के बीच एक लोकप्रिय भाषा विकल्प बन रही है।

संस्कृत में उच्च शिक्षा के लिए यूनिवर्सिटी और कोर्सेज

भारत में संस्कृत पाठ्यक्रमों में नामांकन दर्ज करने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है और कई छात्र विभिन्न शास्त्री पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पेश किए जाने वाले शिक्षा शास्त्र और शिक्षा आचार्य पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। तो, अगर आप भी संस्कृत में कोई कोर्स करना चाहते हैं तो आप संस्कृत विश्वविद्यालयों की सूची देख सकते हैं, जिन्हें यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त है:

- कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा
- कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरु
- कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्व विद्यालय, नागपुर
- कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, नलबाड़ी, असम
- महर्षि महेश योगी वैदिक विश्व विद्यालय
- सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्व विद्यालय, वाराणसी
- श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, इर्नाकुलम
- श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात
- उत्तराखंड संस्कृत विश्व विद्यालय, हरिद्वार

लगभग इन सभी जगहों पर बीए, एमए, बीएड, पीजी डिप्लोमा और पीएचडी प्रोग्राम ऑफर किये जाते हैं और शास्त्री, आचार्य, शिक्षा शास्त्री, शिक्षा आचार्य, संयुक्ताचार्य (एकीकृत), योग विज्ञान शास्त्री, योग विज्ञान आचार्य, विद्यानिधि, विद्यानिधि (पीएचडी के समकक्ष), विद्यावाचस्पति, ज्योतिष शास्त्र में सर्टिफिकेट / डिप्लोमा इत्यादि कोर्सेज उपलब्ध हैं।

फिजियोथैरिपी कोर्स कर करियर को दें नई उड़ान

12वीं के बाद अपनी रुचि अनुसार छात्र बेल्थ केयर सेक्टर में अपना करियर बना सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको टॉप कॉलेज, एडमिशन और फीस आदि के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इस क़ॉलेज से यह कोर्स कर आप अपने करियर को नई ऊंचाई दे सकते हैं।

12वीं कक्षा के छात्र मेडिकल और पैरामेडिकल कोर्सेस के बारे में इंटरनेट से जानकारी हासिल करते हैं। छात्र हेल्थ केयर सेक्टर में अपनी रूचि और इच्छा के अनुसार करियर बनाने का सपना लेकर आते हैं। वहीं कोरोना महामारी के दौरान हेल्थ केयर सेक्टर में शामिल लोगों ने जिस तरह से दिन-रात लोगों के लिए काम किया और अपनी ड्यूटी की, उसे कोई भुला नहीं सकता है। सेवा के इसी भाव से और अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कई छात्र मेडिकल व पैरामेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देखते हैं। दिल्ली के टॉप पैरामेडिकल के कोर्स बैचलर ऑफ फिजियोथैरपी कॉलेज, जहां पर छात्र फिजिकल थैरेपिस्ट या फिजियोथैरेपी बनने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं। इन टॉप संस्थानों से यह कोर्स पूरा करने के बाद छात्र किसी भी प्राइवेट और सरकारी अस्पताल या क्लीनिक आदि में नौकरी पा सकते हैं। इस क्षेत्र में शुरूआत में आप 3 से 4 लाख रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं।

क्या है बीपीटी

बीपीटी को बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी कहा जाता है। बता दें कि यह एक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है। इस कोर्स की अवधि 4 साल की होती है। यह कोर्स मानव संरचना से संबंधित जैसे पोस्ट फैक्चर दर्द, मूवमेंट के लिए एक्सरसाइस और शारीरिक दर्दों से निजात दिलाने में सहायक होती है।

बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी के लिए योग्यता

- 12वीं सांइस स्ट्रीम से पास होना अनिवार्य है।
- पीसीबी के सब्जेक्ट पढ़ा होना अनिवार्य है।
- अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है।
- इसके अलावा 12वीं में कम से कम 50% अंक होना चाहिए।
- आरक्षित श्रेणी के छात्रों को 5% की छूट प्राप्त है।
- इस कोर्स में प्रवेश लेने के लिए न्यूनतम आयु 17 साल होनी चाहिए।

प्रवेश परीक्षा

इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होना जरूरी है। कुछ संस्थानों में एडमिशन परीक्षा के आधार पर होता है तो वहीं कुछ संस्थान डायरेक्ट एडमिशन देते हैं।

संस्थान

- आईपीयू सीईटी
- वीईई
- बीसीईसीई
- एलपीयूएनईएसटी
- आईईएमजीई

बीपीटी कॉलेज की लिस्ट

वैसे तो भारत में 200 अधिक कॉलेज बीपीटी का कोर्स ऑफर करते हैं। इनमें से 80त्न कॉलेज प्राइवेट हैं। यहां हम आपको बेस्ट बीपीट कॉलेज के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां से आप यह कोर्स कर सकते हैं।

- जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली - 135,000 रुपये फीस
- केआर मंगलम यूनिवर्सिटी, गुड़गांव - 115,000 फीस
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), नई दिल्ली - 93,100 रुपये
- जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय (जेएमआई), नई दिल्ली - 21,800 रुपये
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा - 116,000 रुपये
- हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एचआईएमएसआर), नई दिल्ली - 264,500 रुपये
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस), रोहतक - 12,395 रुपये (प्रथम वर्ष फीस)
- गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुड़गांव - 40,000 रुपये
- गलगोटिया विश्वविद्यालय - 75,000 रुपये
- डीपीएसआरयू - 56,000 रुपये

12वीं में मिले हैं कम नंबर तो ये हैं आपके लिए 5 बेस्ट ऑप्शन

इस वक्त लगभग सभी बोर्ड की तरफ से 12वीं के रिजल्ट की घोषणा कर दी गई है। कुछ छात्रों के बहुत अच्छे नंबर आए हैं तो कुछ के थोड़ा कम अंक मिले हैं। जिन छात्रों को थोड़ा कम अंक मिले हैं, वे थोड़ा परेशान हैं कि वे करियर किस क्षेत्र में बनाए ऐसे छात्रों को लिए हम यहां पर 5 ऐसे ऑप्शन बता रहे हैं जिसकी मदद से वे शानदार करियर बना सकते हैं

फैशन डिजाइनिंग

12वीं में कम अंक पाने वाले छात्र फैशन डिजाइनिंग में करियर बना सकते हैं। आद के दौर में इस कोर्स को करने वाले छात्रों की बहुत ज्यादा डिमांड है। ऐसे में छात्र फैशन डिजाइनिंग का कोर्स किसी भी यूनिवर्सिटी या फिर इंस्टीट्यूट से कर सकते हैं। इसके अलावा छात्र NIFT से भी यह कोर्स कर सकते हैं। कोर्स करने के बाद छात्रों का आसानी से प्लेसमेंट भी हो जाता है।

फोटोग्राफी

12वीं में कम अंक हैं और फोटोग्राफी में इंटरेस्ट है तो छात्र फोटोग्राफी या फिर सिनेमाटोग्राफी का कोर्स करके करियर बना सकते हैं। कोर्स करने के बाद छात्र वीडियोग्राफी, मॉडल फोटो शूट, एड शूट आदि के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

स्पोर्ट्स में करियर

अगर आप किसी भी स्पोर्ट्स में अच्छे हैं तो स्पोर्ट्स में भी करियर बना सकते हैं। इसके लिए आप बीपीएड, एमपीएड का कोर्स भी कर सकते हैं। बहुत से अभ्यर्थियों को इसी कोटे के आधार पर सरकारी नौकरी भी आसानी से मिल जाती है।

मास कम्युनिकेशन और मीडिया

छात्र मास कम्युनिकेशन में भी करियर बना सकते हैं। इसके लिए वे IIMC में एडमिशन ले सकते हैं। इसके अलावा भी कई अन्य मीडिया के संस्थान हैं, जहां से छात्र मास कम्युनिकेशन करके करियर बना सकते हैं।

सिविल सर्विसेज या स्टेट सर्विसेज की तैयारी

अगर छात्रों के ज्यादा अच्छे अंक नहीं आए हैं तो उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। क्योंकि संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विसेज की परीक्षा या फिर स्टेट सर्विसेज की परीक्षा में बैठने के लिए 55 प्रतिशत अंक जरूरी होते हैं। ऐसे में छात्र खुद को टाइम देकर इन परीक्षाओं की भी तैयारी कर सकते हैं। इसके लिए वे कोचिंग का भी सहारा ले सकते हैं। तैयारी अच्छी होने पर छात्रों का आसानी से चयन हो जाएगा।

12वीं के बाद करें बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स

12वीं के बाद छात्रों के सामने कॅरियर को लेकर कई तरह की कंफ्यूजन होती है। हालांकि 12वीं के बाद अपने कॅरियर ऑप्शन के बारे में पता होना चाहिए। ऐसे में छात्र बीबीए यानी की बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कर सकते हैं।

12वीं के बाद छात्रों के सामने अपने कॅरियर को लेकर काफी कंफ्यूजन रहते है। छात्रों को कंफ्यूजन होती है कि 12वीं के बाद उनके लिए कौन सा कोर्स बेस्ट रहेगा। कौन से कोर्स में वह अपना बढ़िया कॅरियर बना सकते हैं। हालांकि छात्रों को पता होना चाहिए कि 12वीं के बाद उनके पास कौन-कौन से कॅरियर ऑप्शन होते हैं। इन्हीं कोर्सों में से एक बीबीए है। बीबीए यानी की बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन तीन साल के ग्रेजुएशन स्तर की डिग्री है। 12वीं पास करने के बाद छात्र बीबीए का कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स में छात्रों को बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन से संबंधित चीजें सिखाई व बताई जाती हैं।

बीबीए कोर्स

बीबीए कोर्स विभिन्न स्पेशलाइजेशन में अपनी डिग्री प्रदान करता है। हालांकि यह छात्र पर पूरी तरह से निर्भर करता है कि वह बीबीए डिग्री पूरी किस स्पेशलाइजेशन के साथ करना चाहते हैं।

- बीबीए इन फाइनेंस
- बीबीए इन टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- बीबीए इन टूर एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- बीबीए इन बिजनेस एनालिटिक्स
- बीबीए इन एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट
- बीबीए इन सप्लाई चैन मैनेजमेंट
- बीबीए इन बैंकिंग एंड इंश्योरेंश
- बीबीए इन स्पोर्ट्स मैनेजमेंट
- बीबीए इन हॉस्पिटल मैनेजमेंट
- बीबीए इन कम्युनिकेशन मैनेजमेंट
- बीबीए इन एयर ट्रैवल मैनेजमेंट
- बीबीए इन लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट
- बीबीए इन कंप्यूटर एप्लीकेशन
- बीबीए इन ऑपरेशन्स मैनेजमेंट
- बीबीए इन डिजिटल मार्केटिंग
- बीबीए इन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी
- बीबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस
- बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट
- बीबीए इन एंटरप्रन्योरशिप
- बीबीए इन मीडिया मैनेजमेंट
- बीबीए इन रिस्क मैनेजमेंट
- बीबीए इन ई-कॉमर्स
- बीबीए इन अकाउंटिंग
- बीबीए इन फॉरेन ट्रेड
- बीबीए इन इंश्योरेंस
- बीबीए इन मार्केटिंग
- बीबीए इन बैंकिंग
- बीबीए इन टूरिज्म
- बीबीए इन मैनेजमेंट

बीबीए क्वालिफिकेशन

जो भी छात्र बीबीए कोर्स में एडमिशन लेना चाहते हैं, उनको किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या स्कूल से 12वीं उसके समकक्ष एग्जाम पास होना आवश्यक है। वहीं कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र के कम से कम 50 प्रतिशत अंक होना जरूरी है।

ऐसे लें बीबीए में एडमिशन

सभी कॉलेजों में बीबीए कोर्स में एडमिशन लेने की प्रक्रिया अलग-अलग होती है। वहीं कुछ कॉलेजों में मेरिट के आधार पर इस कोर्स में एडमिशन दिया जाता है। वहीं कुछ कॉलेजों में विश्वविद्यालय, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है।

सुपर 8 में प्रवेश करने पर यूएसए के कप्तान जोन्स ने कहा-हमारे लिए यह बड़ी बात

फ्लोरिडा। फ्लोरिडा में बारिश के कारण आयरलैंड के खिलाफ मैच रद्द होने के बाद यूएसए ने ग्रुप ए से भारत के साथ सुपर 8 चरण में प्रवेश कर लिया है। मैच रद्द होने के बाद यूएसए के कार्यवाहक कप्तान आरोन जोन्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हाँ, निश्चित रूप से हम जश्न मना रहे हैं। हर कोई इस समय खुश है। जाहिर है सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करना एक बड़ी बात है, इसलिए हर कोई इस समय खुश है।" जोन्स ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए पूर्ण सदस्यों से क्रिकेट की दुनिया में अमेरिका की ताकत का आकलन करने को कहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पूर्ण सदस्यों के साथ खेलने के अपने छोटे से इतिहास में, यूएसए ने आठ में से पांच बार जीत हासिल की है। पूरे सत्र में यूएसए की टीम भूखी दिखी, जिसकी शुरुआत कनाडा को चार-शून्य से हराने और फिर बांग्लादेश के साथ सीरीज जीतने से हुई। पाकिस्तान की जीत ने उन्हें भारत को और अधिक हराने का साहस दिया।

भारत को मुश्किल विकेट पर 111 रनों के लक्ष्य की जरूरत थी, लेकिन यूएसए की इस विविधतापूर्ण टीम ने स्टार खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को बुरी तरह डरा दिया। जोन्स ने कहा, "ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। पिछले कुछ सालों से हम विश्व कप में खेलने, पूर्ण सदस्य देशों के खिलाफ ज्यादा मैच खेलने और इस तरह की चीजों के बारे में बात कर रहे हैं। जाहिर है कि सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करना वाकई बहुत अच्छा है। मुझे लगता है कि हम 2026 विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लेंगे, इसलिए मुझे लगता है कि यह हमारे लिए ही नहीं बल्कि अमेरिका के प्रशंसकों के लिए भी बहुत बड़ी बात है।" यूएसए अगले दौर के खेलों के लिए कैरिबियन जाने के लिए उत्साहित होगा क्योंकि वे एंटीगुआ में दक्षिण अफ्रीका और बारबाडोस में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के साथ खेलेंगे। सीपीएल के ब्रेकआउट अमेरिकी स्टार अली खान 2016 से सीपीएल में लगातार खेल रहे हैं। जोन्स खुद बारबाडोस में पले-बढ़े हैं और बारबाडोस की प्रथम श्रेणी प्रणाली का हिस्सा हैं। उनके अलावा, स्टीवन टेलर ने भी सीपीएल में अपनी उपस्थिति के अलावा जमैका के लिए खेलते हुए एक प्रथम श्रेणी सत्र बिताया। मोनंक पटेल, नोस्टुश केंजीगे, जसदीप सिंह, नितीश कुमार और सौरभ नेत्रवलकर जैसे खिलाड़ी भी कुछ सत्रों के लिए कैरिबियन में लिस्ट ए क्रिकेट खेलने वाली टीमों का हिस्सा रहे हैं। जोन्स ने कहा, "मेरे लिए घर वापस जाना वाकई अच्छा है। मैं अभी वाकई बहुत खुश हूँ। मुझे लगता है कि मुझे निश्चित रूप से बहुत समर्थन मिलेगा, खासकर बारबाडोस में। इसलिए, निश्चित रूप से इसका बेसब्री से इंतजार है।"

होंडा इंडिया टैलेंट कप 2024: एचआरआई ने अपने राइडर्स टीम घोषित की

चेन्नई। होंडा रेसिंग इंडिया (एचआरआई) ने शनिवार को अपने युवा राइडरों की घोषणा की, जो 2024 होंडा इंडिया टैलेंट कप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। टैलेंट कप का आयोजन इस सप्ताह के अंत में चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में किया जाएगा। होंडा इंडिया टैलेंट कप का 2024 सीजन भारत में युवा रेसिंग प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है। पांच राउंड के इस सीजन में 14 प्रतिभाशाली युवा राइडर्स की एक शानदार लाइन-अप दिखाई जाएगी, जो प्रतिष्ठित होंडा टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे और मोटो 3 रेस मशीन - NSF250R से मुकाबला करेंगे। इस साल, होंडा रेंसिंग इंडिया रोस्टर में छह नए होनहार राइडर्स को शामिल करके रेसिंग चैंपियन की अगली पीढ़ी को तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। होंडा टैलेंट हंट से चुने गए इन राइडर्स ने मोटरसाइकिल रेसिंग की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया में

असाधारण प्रदर्शन, समर्पण और उत्कृष्टता हासिल करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। आईडेमिट्सु होंडा इंडिया टैलेंट कप का 2024 के लिए एचआरआई राइडर्स की टीम इस प्रकार है- चेन्नई से श्याम सुन्दर (20 वर्ष), रक्षित एस दवे (15 वर्ष) और जगतिश्री कुमारेसन (19 वर्ष), बैंगलोर से एएस जेम्स (22 वर्ष), सविओन साबू (16 वर्ष) रक्षिता एस दवे (16 वर्ष) और प्रकाश कामत (20 वर्ष), मल्लापुरम से मोहसिन पी (22 वर्ष), कोल्हापुर से सिद्धेश सावंत (22 वर्ष), हैदराबाद से बीदानी राजेंद्र (19 वर्ष) मुंबई से रहीस खत्री (16 वर्ष), तिरुवनंतपुरम से आरोन सोनी फर्नांडीज (15 वर्ष), त्रिची से स्टीव वॉघ सुगी (19 वर्ष) और हैदराबाद से विग्नेश पोथु (17 वर्ष)।

टी-20 विश्व कप: चोटिल मुजीब की जगह हजरतुल्लाह जजई अफगानिस्तान टीम में शामिल

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के युवा स्पिनर मुजीब उर रहमान अब चल रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे। मुजीब की उंगली की चोट फिर से उभर आई है, जिसके कारण वे आईपीएल 2024 से बाहर हो गए थे। मुजीब ने विश्व कप में युगांडा के खिलाफ अफगानिस्तान के शुरुआती मैच में खेला था, लेकिन चोट के कारण वे तब से नहीं खेल पाए हैं - उनके गेंदबाजी करने वाले हाथ की तर्जनी उंगली में चोट है। अफगानिस्तान की टीम में उनकी जगह सलामी बल्लेबाज हजरतुल्लाह जजई को शामिल किया गया है। आईसीसी ने शुक्रवार देर रात पुष्टि की कि उनकी इवेंट तकनीकी समिति ने पापुआ न्यू गिनी पर अफगानिस्तान की जीत के बाद प्रतिस्थापन को मंजूरी दे दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार देर रात एक आधिकारिक बयान जारी कर

कहा कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 की इवेंट तकनीकी समिति ने अफगानिस्तान टीम में मुजीब उर रहमान के स्थान पर हजरतुल्लाह जजई को शामिल करने को मंजूरी दे दी है। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज हजरतुल्लाह, जिन्होंने 43 टी20 मैच खेले हैं,ने फरवरी के बाद से कोई टी20 मैच नहीं खेला है, लेकिन पिछले दो टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया था। बता दें कि विश्व कप में किसी खिलाड़ी के प्रतिस्थापन के लिए इवेंट तकनीकी समिति की मंजूरी की आवश्यकता होती है, तभी खिलाड़ी को आधिकारिक रूप से टीम में शामिल किया जा सकता है।

हॉकी इंडिया ने जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 40 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को आगामी जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 40 खिलाड़ियों के संभावित समूह की घोषणा की है, जो 16 जून 2024 को बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) में शुरू होगा। यह शिविर भारतीय जूनियर पुरुष टीम के यूरोपीय दौरे के बाद आयोजित किया जा रहा है, जहाँ उन्होंने 20 से 29 मई तक बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड की क्लब टीम ब्रेडेस हॉकी वेरेनिगिंग पुश के खिलाफ पाँच मैच खेले थे। दौरे पर भारतीय टीम बेल्जियम के खिलाफ एक जीत दर्ज की और दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टीम को ब्रेडेस हॉकी वेरेनिगिंग के

खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वहीं, जर्मनी को खिलाफ टीम ने एक मैच में जीत दर्ज की, जबकि एक मैच में हार का सामना करना पड़ा। कोच जनार्दन सी बी के नेतृत्व में और हॉकी इंडिया के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर हरमन क्रुइस की देखरेख में आगामी शिविर 63 दिनों तक चलेगा, जो 18 अगस्त को समाप्त होगा। आगामी शिविर को लेकर कोच जनार्दन सी बी ने कहा, "यह शिविर भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए हमारी तैयारी के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे पास खिलाड़ियों का एक प्रतिभाशाली समूह है, और गहन प्रशिक्षण सत्र उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने में मदद करेंगे। हमारा लक्ष्य एक एकजुट और दुर्जेय टीम विकसित करना है जो किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।"

40 सदस्यीय कोर-संभावित समूह की सूची:

गोलकीपर: प्रिंस दीप सिंह, बिक्रमजीत सिंह, अश्वनी यादव, आदर्श जी., अली खान।

डिफेंडर: शारदा नंद तिवारी, सुखविंदर, आमिर अली, रोहित, योगेम्बर रावत, मनोज यादव, अनमोल एक्का, प्रशांत बारला, आकाश सोरोंग, सुंदरम राजावत, आनंद. वाई, तालेम प्रियो बार्टा।

मिडफील्डर्स: अंकित पाल, रोशन कुजूर, थौनाओजम इंगलेम्बा लुवांग, मुकेश टोप्पो, थोकचोम किंग्सन सिंह, रितिक कुजूर, अंकुश, जीतपाल, चंदन यादव, मनमीत सिंह, वचन एच ए, गोविंद नाग, बिपिन बिलवारा रवि।

फॉरवर्ड्स: मोहित कर्मा, सौरभ आनंद कुशवाहा, अरजीत सिंह हुंडल, गुरजोत सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, प्रभदीप सिंह, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद जैद खान, गुरसेवक सिंह।

व्यापार

अब सब्जियों की कीमतों पर सरकार की नजर, महंगाई रोकने उठा रही जरूरी कदम

नई दिल्ली। देश में बढ़ती खाद्य महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है, ऐसे में ये सरकार के लिए भी चुनौती बनी हुई है. लेकिन अब सरकार खाद्य मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने जा रही है. इसके लिए सरकार आवश्यक वस्तुओं की सूची में 16 नए नामों को शामिल करने पर विचार कर रही है. दरअसल, सरकारी की योजना सब्जियों को भी निगरानी सूची में डालने की है. क्योंकि आवश्यक वस्तुओं की सूची में शामिल चीजों की कीमतों पर सरकार नजर रखती है. ऐसा करने से इनकी कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है. यही नहीं कीमतों में अत्यधिक बढ़ोतरी होने पर भी सरकार दाम को नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप भी करती है. बता दें कि खाने-पीने की चीजों में सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव सब्जियों की कीमतों में देखने को मिलता है. इसलिए सरकार मूल्य निगरानी वाली 16 नई संभावित वस्तुओं में सब्जियों को शामिल करने जा

रही है. गौरतलब है कि फिलहाल सरकार इस सूची में शामिल सिर्फ 22 वस्तुओं की कीमतों की ही निगरानी करती है. अब इस सूची में 16 नाम और जुड़ने जा रहे हैं. इसके बाद इनकी संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी. इस सूची में शामिल जरूरी वस्तुओं की कीमतों होने वाले फेरबदल पर सरकार नजर रखती है. इससे सरकार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर इनके पड़ने वाले प्रभाव का आंकलन कर सकेगी. बता दें कि देशभर के 167 केंद्रों से इन वस्तुओं के थोक और खुदरा कीमतों को रोजाना एकत्रित किया जाता है. इसके बाद इनका विश्लेषण किया जाता है. आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने पर सरकार हस्तक्षेप करके कीमतों को नियंत्रित करती है. इन हस्तक्षेपों को मूल्य स्थिरीकरण कोष अथवा मूल्य समर्थन योजना जैसी स्कीमों के जरिए आगे बढ़ाया जाता है. बता दें कि मई के महीने में थोक मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी दर्ज की गई. तो वहीं खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मामूली गिरावट से खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.75 फीसदी पर आ गई है. जबकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में 4.83 फीसदी थी. वहीं, एक साल पहले यानी मई, 2023 में यह 4.31 फीसदी रही थी. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 8.69 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में 8.70 प्रतिशत थी. यानी एक महीने में इसमें मामूली गिरावट दर्ज की गई. वहीं कुल मुद्रास्फीति में फरवरी, से लगातार गिरावट जारी है. फरवरी में यह 5.1 फीसदी थी जबकि अप्रैल में ये घटकर 4.8 फीसदी पर आ गई. बता दें कि सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि सीपीआई मुद्रास्फीति दो प्रतिशत के उतार-चढ़ाव के साथ चार फीसदी पर बनी रहे.

महंगाई में कमी आने से ऑल टाइम हाई पर शेयर बाजार, छोटे और मझोले शेयरों में बड़ी तेजी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला कारोबारी हफ्ता काफी शानदार रहा। बाजार में यह लगातार दूसरा हफ्ता था, जब बाजार के मुख्य सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स उच्चतम स्तर पर बंद हुए। आंकड़ों की बात करें तो 14 जून को समाप्त हुए हफ्ते में सेंसेक्स में 299 अंक या 0.39 प्रतिशत बढ़कर 76,992 और निफ्टी 175 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 23,465 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के मुख्य बेंचमार्क ने 77,145 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुख्य बेंचमार्क ने 23,490 का उच्चतम स्तर को छुआ। सरकार द्वारा बुधवार को जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि मई में खुदरा महंगाई दर गिरकर 4.75 प्रतिशत रह गई है, जो कि अप्रैल में 4.83 प्रतिशत थी। बीते हफ्ते विदेशी और घरेलू निवेशकों दोनों ने जमकर भारतीय बाजारों में निवेश किया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 2,030 करोड़ रुपये और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने

6,293 करोड़ रुपये का निवेश किया। स्मॉल कैप और मिडकैप शेयरों में इस दौरान जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने 5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है और बीएसई मिडकैप इंडेक्स ने 4.4 प्रतिशत का रिटर्न इस दौरान दिया है। स्मॉलकैप में पीटीसी इंडस्ट्रीज, एवनटेल, होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी, एचसीसी, जीटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर, वार्डविजार्ड इनोवेशन एंड मोबिलिटी, ईआईएच एसोसिएटेड होटल्स, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया, रिलायंस पावर और एशियन ग्रैनिटो इंडिया ने 25 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। मिडकैप शेयरों में शेफलर इंडिया, ऑयल इंडिया, ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल, एंड्यूरेंस टेक्नोलॉजीज, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, हनीवेल ऑटोमेशन और न्यू इंडिया एश्योरेंस सबसे ज्यादा बढ़ने वाले शेयर थे। सेक्टर के हिसाब से देखें तो कैपिटल गुड्स इंडेक्स ने 6.4 प्रतिशत, रियल्टी इंडेक्स ने 5.4 प्रतिशत, टेलीकॉम इंडेक्स ने 4 प्रतिशत और ऑयल एंड गैस इंडेक्स ने 3.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

मस्क के स्टारलिंक और अमेजन से आगे निकला जियो

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स को इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथोराइजेशन सेंटर से मंजूरी मिल गई है। इस अंतिम मंजूरी से कंपनी देश में सैटेलाइट कम्युनिकेशन (सैटकॉम) सर्विसेज लॉन्च कर सकेगी। यह मंजूरी ऐसे समय में मिली है जब एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक और अमेजन के प्रोजेक्ट कूपर जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियां देश में अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए नियामक मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। ऐसे में अमेजन और स्टारलिंक से आगे निकलते हुए जियो प्लेटफॉर्म्स द्वारा सैटेकॉम सर्विसेज दी जा सकेंगी। भारती एंटरप्राइजेज बैक्ड यूटेलसैट वनवेब एकमात्र अन्य कंपनी है जिसे पहले ही सभी आवश्यक मंजूरियां मिल चुकी हैं। एक बार सरकार द्वारा स्पेक्ट्रम आवंटन हो जाने के बाद जियो प्लेटफॉर्म्स अपने जॉइंट वेंचर पार्टनर लक्जमबर्ग स्थित सैटकॉम कंपनी एसईएस के साथ सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं प्रदान करेगा। अधिकारियों के मुताबिक ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन्स बाय सैटेलाइट और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर लाइसेंस के साथ अंतरिक्ष संचार से संबंधित किसी भी गतिविधि के लिए इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथोराइजेशन सेंटर से ऑथोराइजेशन की जरूरत होती है। लॉन्चिंग के लिए सैटेलाइट ऑपरेट करने के लिए संचार स्थापित करने लिए स्पेस ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम जैसे कई तरह की गतिविधियों के लिए ऑथोराइजेशन की जरूरत होती है।

हुंडई मोटर्स लाएगी 25,000 करोड़ रुपये का आईपीओ, कंपनी ने सेबी के पास जमा कराए ड्राफ्ट पेपर

मुंबई। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड की ओर से शनिवार को भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास 25,000 करोड़ रुपये (करीब 3 अरब डॉलर) का आईपीओ लाने के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कराया गया। डीआरएचपी में दी गई जानकारी में बताया गया कि इस आईपीओ के तहत कंपनी 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 14,21,94,700 शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत बेचेगी। इस ओएफएस में कंपनी के प्रमोटर्स की ओर से शेयरों की बिक्री की जाएगी। कंपनी द्वारा आगे कहा कि आईपीओ के जरिए फर्म इक्विटी शेयरों को एक्सचेंज पर लिस्ट कर लिस्टिंग के

फायदे हासिल करना चाहती है।

हमें उम्मीद है कि इक्विटी शेयरों को लिस्ट करने से विजिबिलिटी और ब्रांड इमेज बढ़ेगी। अगर हुंडई मोटर्स के आईपीओ को सेबी से मंजूरी मिल जाती है, तो ये अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। फिलहाल लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) की ओर से 2022 में लाया गया 2.7 अरब डॉलर का आईपीओ अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। हुंडई मोटर्स की ओर से कोटक महिंद्रा, सिटीबैंक, मॉर्गन स्टेनली, जेपी मॉर्गन और एचएसबीसी को शेयर बाजार में एंट्री के लिए ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंक नियुक्त किया गया है। मई में हुंडई मोटर्स इंडिया की बिक्री में सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई थी और यह 63,551 यूनिट्स थी। यात्री वाहन बिक्री के मामले में हुंडई मोटर्स मारुति सुजुकी के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी ने भारत में अपना पहला मैन्युफैक्चरिंग प्लांट 1998 में लगाया था, जबकि दूसरा 2008 में शुरू किया था। पिछले वर्ष हुंडई मोटर्स ग्रुप ने भारत में करीब 3.75 अरब डॉलर के निवेश का ऐलान किया था।

केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में भारी कटौती करते हुए इसे 3,250 रुपये प्रति टन कर दिया है। पिछले पखवाड़े यह 5,200 रुपये प्रति टन था। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, कर की नई दर 15 जून से प्रभावी हो गई है। डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर विंडफॉल टैक्स को शून्य बरकरार रखा गया है। सरकार द्वारा हर 15 दिन में विंडफॉल टैक्स की समीक्षा की जाती है। हाल के महीनों में कई बार कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स कम किया जा चुका है। एक जून को इसे 5,700 रुपये प्रति टन से घटाकर 5,200 रुपये प्रति टन किया गया था।

वहीं, 16 मई को सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 8,400 रुपये से घटाकर 5,700 रुपये प्रति टन कर दिया था। इससे पहले 1 मई को इसे 9,600 रुपये से घटाकर 8,400 रुपये प्रति टन किया गया था। कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स कम करने का सीधा फायदा घरेलू स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादक कंपनियों जैसे ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को मिलता है।

जूनियर एनटीआर की देवरा को मिली नई रिलीज तारीख

बॉक्स ऑफिस पर फिर उठेगा तूफान

जूनियर एनटीआर अभिनीत देवरा साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। प्रशंसक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म पहले 10 अक्तूबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी। देवरा फिल्म के निर्माताओं ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर बताया कि फिल्म समय से पहले सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। देवरा 27 सितंबर को रिलीज हो रही है। निर्माताओं ने इसे पहले 10 अक्तूबर, 2024 को रिलीज करने की योजना बनाई थी। देवरा तटीय भूमि के विरुद्ध स्थापित है और कोराताला शिवा द्वारा संचालित है। इसमें जान्हवी कपूर भी हैं और यह साउथ में उनकी पहली फिल्म है। देवरा जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर का पहला सहयोग भी है। फिल्म में सैफ अली खान भी अहम भूमिका निभाएंगे। इसमें राम्या कृष्णा भी होंगी। इसके अलावा, कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अभिनेत्री चैत्रा राय स्टारकास्ट में शामिल होंगी। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आरआरआर की तरह, इस तेलुगु फिल्म में कथित तौर पर हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस होंगे जो दर्शकों के होश उड़ा देंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देवरा को भारी भरकम बजट में बनाया जा रहा है। कथित तौर पर निर्माता इसके वीएफएक्स पर 140 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। देवरा जूनियर एनटीआर की 30वीं फिल्म भी है।

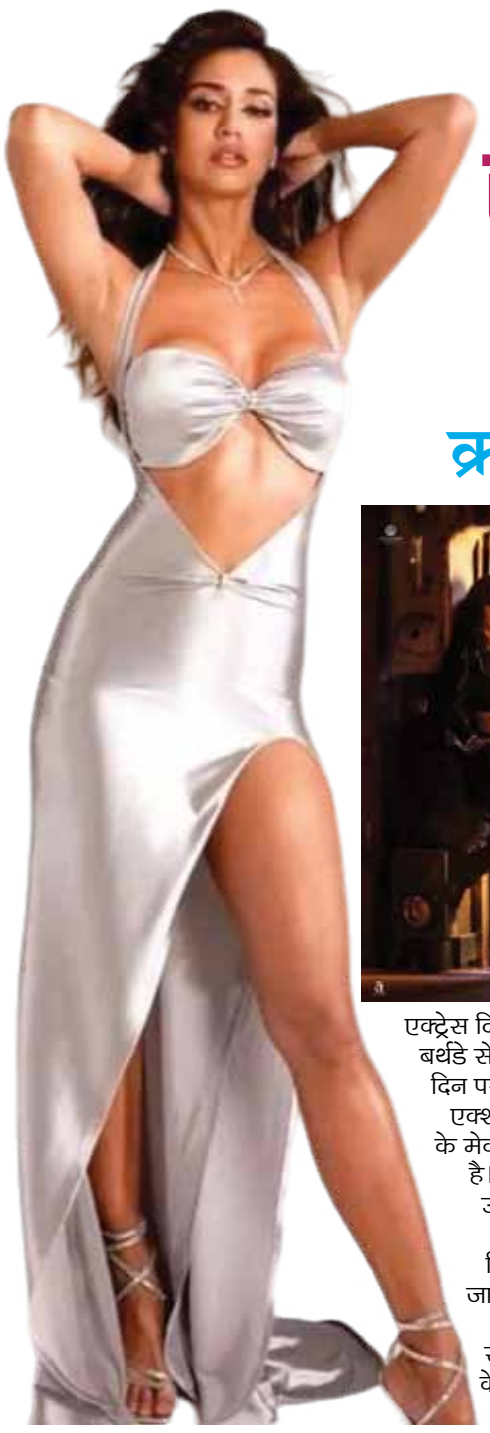

कल्कि 2898 एडी से दिशा पाटनी का लुक जारी

क्रॉप टॉप में दे रहीं गैंगस्टर वाइब

एक्ट्रेस दिशा पाटनी आज अपना 32वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास दिन पर अपकमिंग साइंस फिक्शन एक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी के मेकर्स ने उन्हें खास गिफ्ट दिया है। दरअसल, टीम ने फिल्म से उनके लुक को जारी किया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर दिशा का एक शानदार पोस्टर जारी किया, जिसमें उनके लुक को देख गैंगस्टर वाइब्स आ रही हैं। फिल्म में दिशा रॉक्सी के किरदार में हैं। उन्होंने क्रॉप टॉप के साथ क्रॉप जैकेट और मैचिंग ट्राउजर पहने हुए हैं। उन्होंने अपने लुक को ग्लव्स और बूट के साथ पूरा किया पोस्टर पर बैकग्राउंड में टैगलाइन लिखा हुआ है, हैप्पी बर्थडे रॉक्सी। पोस्ट को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, हमारी रॉक्सी यानी दिशा पाटनी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। हैशटैग कल्कि 2898 एडी... कल्कि 2898 एडी तेलुगु इंडस्ट्री की सबसे महंगी बजट वाली फिल्म है। इसका निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। यह नाग अश्विन द्वारा लिखित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित है। इसमें अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण, प्रभास समेत कई अन्य कलाकार अहम रोल में हैं। यह फिल्म 27 जून को रिलीज होने वाली है। वर्कफ्रंट की बात करें तो दिशा को पिछली बार एक्शन थ्रिलर फिल्म योद्धा में देखा गया था। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और राशि खन्ना लीड रोल में थे। वह जल्द ही फिल्म कंगुवा और वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। दिशा ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्म लोफर से की, वहीं बॉलीवुड डेब्यू सुशांत सिंह राजपूत स्टारर एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी से किया। इस फिल्म में दिशा ने प्रियंका झा का किरदार निभाया। उनका गाना कौन तुझे यूं प्यार करेगा दर्शकों की जुबां पर आज भी है। इसके बाद वह बागी 2 में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई। वह 2019 में रिलीज हुई सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म भारत में भी नजर आई। उन्होंने एक्शन थ्रिलर फिल्म मलंग में अनिल कपूर, आदित्य रॉय कपूर और कुणाल खेमू के साथ स्क्रीन शेयर किया।

कोटा फैक्ट्री 3 का ट्रेलर हुआ रिलीज

नई फिलॉसफी के साथ लौटे जीतू भैया

पंचायत 3 के बाद अब जितेंद्र कुमार कोटा फैक्ट्री के तीसरे सीजन के जरिए ओटीटी पर धमाल मचाने आ रहे हैं। दरअसल, इस मोस्ट पॉपुलर सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो आईआईटी जाने की तैयारी कर रहे छात्रों पर आधारित है। ट्रेलर की शुरुआत, जितेंद्र कुमार के किरदार जीतू भैया से होती है, जो पॉडकास्ट में बात कर रहे हैं कि हमें रिजल्ट के साथ-साथ आईआईटी उम्मीदवारों की तैयारी को भी सेलिब्रेट करना चाहिए। ट्रेलर में एक्ट्रेस तिलोत्तमा शोम टीचर के रोल में है, जो छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताती हैं। ट्रेलर के जीतू भैया से पूछा जाता है, कि उनके छात्र उन्हें जीतू सर के बजाय जीतू भैया क्यों कहते हैं? इसके जवाब में वह बताते है, कोटा में बच्चों के लिए सब कुछ होता है, पर ये लोग सिर्फ जेईई उम्मीदवार नहीं हैं। हम लोग भूल जाते हैं ये लोग 15-16 साल के बच्चे हैं। उनमें दुनिया भर की इनसिक्योरिटी है। अगर टीचर डांट दे तो डिमोटिवेट हो जाते हैं। दोस्त ने कुछ कह दिया तो वो इनको बुरा लग जाता है। ये बच्चे हर चीज सीरियसली लेते हैं, इनकी जिम्मेदारी लेना बहुत बड़ी चीज है, जिसे जीतू सर हैंडल नहीं कर पाएंगे। छात्रों को बेहतर परफॉर्म करने और उनकी उम्मीदों को बनाए रखने के लिए जीतू सर की नहीं बल्कि जीतू भैया की जरूरत है। ट्रेलर में मयूर मोरे का किरदार वैभव लाख कोशिशों के बाद भी सीट हासिल करने में नाकाम रहता है और उसे फिर से पूरी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इससे उसकी दोस्ती पर भी असर पड़ता है। ट्रेलर के आखिर में जीतू भैया इस बात पर जोर देते हैं कि उनके लिए हर छात्र मायने रखता है, चाहे वे आईआईटी में रैंक हासिल करे या नहीं।

मुंज्या ने निकाला बजट, 30 करोड़ के पार हुई शरवरी वाघ की फिल्म

आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी फिल्म मुंज्या को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है और यह अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।इस फिल्म में मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं, जिनकी अदाकारी दर्शकों को पसंद आ रही है।मंज्या शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट जारी है। अब मुंज्या के छठे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंज्या ने बुधवार (छठे दिन) को 3.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 31.15 करोड़ रुपये हो गया है।मुंज्या ने 4 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी।बता दें फिल्म में वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है। मुंज्या के बाद शरवरी फिल्म वेदा में नजर आएंगी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। तमन्ना भाटिया और अभिषेक बनर्जी जैसे सितारे भी इस फिल्म अहम हिस्सा हैं।फिल्म की कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है। मोनिशा अडवाणी और मधु भोजवानी इसके निर्माता हैं।वेदा 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

बॉक्स ऑफिस पर मिस्टर एंड मिसेज माही ने 13वें दिन कमाए 90 लाख रुपये

कारोबार 30 करोड़ के पार

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हैं, जो दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। इस सूची में एक नाम जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का भी शामिल है।इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज का दूसरा सप्ताह चल रहा है और यह बॉक्स ऑफिस अपनी पकड़ बनाए हुए है।हालांकि, अब यह फिल्म सुस्त रफ्तार के साथ ही आगे बढ़ रही है। पिछले कुछ दिनों से इसकी कमाई लाखों में सिमटी हुई है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मिस्टर एंड मिसेज माही ने अपनी रिलीज के 13वें दिन यानी बुधवार को 90 लाख रुपये का कारोबार किया था, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 32.55 करोड़ रुपये हो गया है। शरण शर्मा ने इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन किया है, वहीं करण जौहर इसके निर्माता हैं। बॉक्स ऑफिस पर मिस्टर एंड मिसेज माही का सामना राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत, शरवरी वाघ की फिल्म मुंज्या और मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी से हो रहा है।दिव्या खोसला कुमार, हर्षवर्धन राणे और अनिल कपूर जैसे सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है।इनके अलावा कार्तिक आर्यन की बहुचर्चित फिल्म चंदू चैंपियन शुक्रवार 14 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

औरों में कहां दम था का ट्रेलर रिलीज दिल जीत लेगी अजय देवगन और तब्बू की आशिकी

अजय देवगन और तब्बू की बहुप्रतीक्षित फिल्म औरों में कहां दम था का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म के पोस्टर और टीजर के बाद से दर्शकों को इसके ट्रेलर का इंतजार था, जो आखिरकार खत्म हो चुका है। निर्माताओं ने औरों में कहां दम था का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे देख प्रशंसक उत्साहित हो गए हैं। ट्रेलर में दिखी फिल्म की झलक अजय देवगन और तब्बू की अनोखी प्रेम कहानी का वादा करती है, जिसमें कई उतार-चढ़ाव हैं। तीन मिनट लंबे ट्रेलर में शांतनु माहेश्वरी युवा अजय देवगन की भूमिका निभाते दिखे, जो तब्बू के किरदार से रोमांस करते हुए नजर आ रहे हैं। बाद में एक हत्या के मामले में अजय देवगन जेल चले जाते हैं, जिसकी वजह से तब्बू और वे अलग हो जाते हैं। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कई साल बाद उलझी हुई परिस्थितियों में अजय देवगन और तब्बू को फिर से मिलते हैं। एक ओर अजय जेल से बाहर नहीं आना चाहते, क्योंकि वे बाहर की दुनिया से रूबरू होने के लिए तैयार नहीं हैं, वहीं जब अजय जेल से बाहर आते हैं तो उनका पुराना प्यार तब्बू उनसे मिलने आती हैं, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। ट्रेलर में अजय और तब्बू की प्यारी की अधूरी दास्तां देखने को मिली, जिसमे उनके प्यार की शुरुआत से लेकर अलग होने तक की गहरी कहानी दिखाई गई। ट्रेलर देखने से ऐसा लग रहा है कि जिमी शेरगिल ने तब्बू के पति की भूमिका निभाई है। अजय से अलग होने के बाद तब्बू की शादी जिमी शेरगिल से हो चुकी है, लेकिन अजय के जेल से बाहर आने के बाद तब्बू और जिमी अजय से मिलते हैं और पुराने जख्मों को उजागर करते हैं। ट्रेलर की शुरुआत में तब्बू कहती हैं, कृष्णा... हमें कोई अलग तो नहीं करेगा न, तो शांतनु का किरदार कहता है, हम चेक किए थे, अभी तक कोई पैदा नहीं हुआ है और किसी ने कोशिश भी की तो आग लगा देंगे। वहीं अजय अपने प्यार तब्बू के साथ होली खेलते हुए भी नजर आए। इस अजय के कुछ एक्शन और फाइट सीन्स भी देखने को मिली। इस दौरान अजय कहते हैं, जब दिल से धुआं उठा, बरसात का मौसम था। सौ दर्द दिए उसने, जो दर्द का मरहम था। हमने ही सितम ढाए, हमने ही गैर तोड़े। दुश्मन थे हम ही अपने, औरों में कहां दम था। वहीं फिल्म के कलाकारों की बात करें तो अजय देवगन और तब्बू के अलावा औरों में कहां दम था में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म को शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत और कुमार मंगत पाठक के पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। यह फिल्म पांच जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

स्टाइलिश रेड साड़ी पहने साउथ की हसीना श्रद्धा दास ने ढाया कहर

हॉट अवतार देख फैंस हुए बेकाबू

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपने बोल्ड और स्टाइलिश फैशन सेंस को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर फैंस के बीच छा जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। साउथ की खूबसूरत हसीना श्रद्धा दास ने अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों के बीच अपनी अच्छी पहचान बनाई है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने रेड कलर की स्टाइलिश साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट और बोल्ड नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस अपने इस लुक में काफी ज्यादा डेशिंग नजर आ रही हैं। हालांकि फैंस भी उनकी इन तस्वीरों पर जमकर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने उनकी इन फोटोज पर कॉमेंट्स करते हुए लिखा है- टू मच हॉट, वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- सो ग्लैमरस, फिर तीसरे यूजर ने हार्ट इमोजी रिएक्शंस देते हुए लिखा है- यू लुक ब्यूटिफुल।

डायरेक्टर नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में था: सई ताम्हणकर

मराठी और बॉलीवुड एक्ट्रेस सई ताम्हणकर इन दिनों विजय वर्मा स्टारर मटका किंग को लेकर काफी चर्चाओं में है। इसे नागराज मंजुले डायरेक्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि नागराज के साथ काम करना उनकी विश लिस्ट में था, जिसके चलते वह काफी एक्साइटेड हैं। सई ने कहा, नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में था। मैंने कई इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर इस बारे में भी कई बार बात की है। मैं उनके साथ काम करने के लिए बहुत एक्साइटेड और नर्वस हूं। सई ने कहा, यह अमेजन प्राइम की एक वेब सीरीज है, जिसमें विजय भी शामिल हैं। मुझे इसमें उनके जैसे बेहतरीन एक्टर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। अभी, मैं अपने किरदार के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन कुल मिलाकर यह मेरी जिंदगी का सबसे रोमांचक किरदार होगा। मटका किंग में कृतिका कामरा, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार अहम रोल में हैं। मटका किंग की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी मटका नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं। रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और नागराज मंजुले के साथ गार्गी कुलकर्णी, आशीष आर्यन और अश्विनी सिदवानी द्वारा निर्मित इस सीरीज का निर्देशन नागराज ने किया है और मंजुले के साथ अभय कोरानने ने इसे लिखा है। फिलहाल यह फिल्म प्रोडक्शन स्टेज में है और इसे प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो सई की झोली में ग्राउंड जीरो, अग्नि और डब्बा कार्टेल जैसी फिल्में हैं। उन्होंने कई अवॉर्ड्स अपने नाम किए। वह कबड्डी प्लेयर रह चुकी हैं। वह दुनियादारी, सौ शशि देवधर, पोस्टकार्ड और क्लासमेट्स जैसी शानदार फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।